डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

1 अगस्त 2025
शुक्रवार

जय मां काली के उद्घोष से गूंजा डुमरांव 2

मालेगांव ब्लास्ट केस : 17 साल बाद आया कोर्ट का फैसला, साध्वी प्रज्ञा समेत 7 आरोपी बरी

- कोर्ट ने कहा.. सिर्फ शक के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता
- सरकारी पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि बम धमाका बाइक में हुआ था

एजेंसी/नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए बम धमाके के मामले में 17 साल बाद गुरुवार को एनआईए की विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने इस मामले में मुख्य आरोपी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ शक के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जज ने फैसले में कहा कि जांच के दौरान कई गंभीर त्रुटियां और खामियां पाई गईं। विशेष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि सरकारी पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि बम धमाका बाइक में हुआ था। पंचनामा प्रक्रिया भी ठीक से नहीं की गई थी। जिस एलएलएम फ्रीडम बाइक का जिक्र हुआ था। उसका चेसिस नंबर नहीं मिल पाया, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि बाइक वास्तव में साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की थी या नहीं। जांच एजेंसियों द्वारा किए गए अधिकतर दावे अदालत में साबित नहीं हो सके। कोर्ट ने इस मामले में मारे गए लोगों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। लंबे समय तक 17 लोगों को पुलिस की लापरवाही के कारण परेशान होना पड़ा।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आतंकवादी न कभी भगवा था, न है और न कभी होगा। वह सिर्फ विनाश करना जानते है।

बोले पुरोहित... 17 साल बाद मिला न्याय

29 सितंबर 2008 को हुए इस धमाके में 6 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। ब्लास्ट उस वक्त हुआ जब लोग नमाज पढ़ने जा रहे थे।30 सितंबर को मालेगांव के आजाद नगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। शुरूआती जांच स्थानीय पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में जांच एटीएस को सौंप दी गई। एटीएस की जांच में दावा किया गया कि धमाके में इस्तेमाल की गई बाइक साध्वी प्रज्ञा के नाम पर रजिस्टर्ड है। इसके बाद साध्वी प्रज्ञा समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कुल मिलाकर इस मामले में 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। 17 साल पहले महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद एक पक्ष में जहां खुशी की लहर है, तो वहीं दूसरी ओर निराशा का माहौल देखने को मिल रहा है। ऐसे में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित जो कि विस्फोट मामले के आरोपी थे कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। पुरोहित ने कहा कि मैं देश और उन सभी लोगों का आभारी हूं जिन्होंने हमारा साथ दिया। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने केस को समझा और हम सबको न्याय दिया।

मालेगांव ब्लास्ट: असदुद्दीन ओवैसी ने उठाए सवाल

आईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को मालेगांव ब्लास्ट केस में सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर नाराजगी जताई और कहा कि यह एक'जानबूझकर कमजोर जांच का नतीजा है। ओवैसी ने कहा कि इस धमाके में छह नमाजी मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे, जिनका अपराध सिर्फ यह था कि वे मुस्लिम थे। असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि 2016 में इस केस की तत्कालीन सरकारी वकील रोहिणी सालियन ने कहा था कि एनआईए ने उनसे कहा था कि वे आरोपियों के खिलाफ नरमी बरतें। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2017 में एनआईए ने भाजपा सांसद और आरोपी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को बरी करवाने की कोशिश की थी।ओवैसी ने तंज कसते हुए कहा कि यह वही शख्स हैं जो 2019 में बीजेपी सांसद बनीं। ओवैसी ने पूर्व पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे का भी जिक्र किया और कहा कि उन्होंने इस ब्लास्ट की साजिश का खुलासा किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा मार दिए गए। ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या एनआईए और एटीएस (एंटी टेररिज्म स्क्वाड) की गलत जांच के लिए किसी को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

अमेरिकी के भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा से राजनीतिक हलचल बढ़ी

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रम्प ने सही कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी : राहुल

- भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया
- भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस विवादास्पद बयान का समर्थन किया। जिसमें उन्होंने भारत को मृत अर्थव्यवस्था बताया था। राहुल गांधी ने कहा कि ये बयान सच्चाई को दशार्ता है, जिसे केवल भारत सरकार ही मानने से इनकार करती है। ट्रंप के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हां वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर कोई यह जानता है। हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फैक्ट सामने रखा। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। बीजेपी ने अडानी की मदद के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। इससे देश के युवाओं को आने वाले समय में परेशान होंगे।

भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया : राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर पीएम मोदी पर भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है।

पीएम मोदी ने इसे अडानी-मोदी साझेदारी, नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी, असफल असेम्बल इन इंडिया एमएसएमई का सफाया और किसानों को बर्बाद कर खत्म कर दिया है। उन्होंने भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है क्योंकि उनके पास नौकरियां नहीं हैं। इसे मोदी ने मारा, ये बात पीएम और वित्त मंत्री को छोड़कर सबको पता है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा कि मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।

राहुल का यह बयान ट्रम्प के उस बयान के बाद आया। जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि रूस और भारत अपनी डेड इकोनॉमी को कैसे संभालते हैं। दरअसल अमेरिकी ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। इसके बाद से ही कांग्रेस समेत कई पार्टियों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

बोली प्रियंका... मोदी दोस्त बनाते हैं, बदले में क्या मिला

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा और भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकने के दावे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्ती का दावा करते हैं, लेकिन नतीजा यह मिलता है। प्रियंका ने कहा कि भारत को इन दोनों मुद्दों पर जवाब देना होगा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने भी केंद्र सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने इसे बुरे दिनों की शुरूआत बताया। अखिलेश ने कहा कि पिछले 11 साल से सरकार दोस्ती के दावे करती रही, लेकिन अब इसके नतीजे सामने हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर अर्थव्यवस्था पर ऐसे अड़चनें आएंगी। राहुल गांधी के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी पर ट्रंप के दावों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान गोलमोल हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सुझाव दिया कि उन्हें साफ-साफ कहना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति झूठ बोल रहे हैं। देखा जाए तो संसद में ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चल रहे बहस के दौरान कांग्रेस नेताओं की यह आलोचना मोदी सरकार की अमेरिका के प्रति नरम रुख पर सवाल उठाती है। छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार का आरोप लगाया। साथ ही संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन भी किया। केरल से कांग्रेस और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर प्रियंका गांधी ने संसद भवन के मकर द्वार के पास प्रदर्शन किया और गिरफ्तार ननों की रिहाई की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन भी शामिल रहे। बता दें कि 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से नन प्रीति मेरी, वंदना फ्रांसिस और सुकामन मंडावी को गिरफ्तार किया गया। बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई।

मुंबई एयरपोर्ट पर 8 करोड़ का ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट के एविएशन अधिकारियों ने 8 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) जब्त की है। इसमें 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्टम ऑफिसर ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आई फ्लाइट नंबर वीजी760 से तीन संदिग्ध पैसेंजर्स को रोका था। इनके सामान की जांच के दौरान 1.990 गांजा मिला, जिसकी बाजार में करीब 2 करोड़ रुपए की कीमत है। मुंबई एयरपोर्ट के ही एक दूसरे मामले में बैंकॉक की फ्लाइट नंबर 6ए1060 से एक पैसेंजर के पास 6.22 गांजा बरामद किया। इसकी बाजार कीमत 6 करोड़ रुपए है। दोनों मामलों ने एविएशन अधिकारियों ने 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त की है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने इन गांजे के पैकेट्स को ट्रॉली बैग के अंदर काले और पारदर्शी वैक्यूम सील पैकेट्स में छिपा रखा था। सभी यात्रियों को एनडीपीएस धारा, 1985 के अंतर्गत अरेस्ट कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही इस सरगना में शामिल अन्य की भी तलाश की जा रही है।

पटना में भाई-बहन की हत्या, दोनों के शव को बेड पर जलाया

एजेंसी/पटना

पटना में गुरुवार को भाई-बहन की हत्या के बाद उनकी लाशों को बेड पर रखकर जला दिया गया। मृतकों की पहचान 14 साल की अंजलि कुमारी और 12 साल के अंशु के रूप में हुई है। घटना के वक्त घर में सिर्फ भाई-बहन थे। दोनों थोड़ी देर पहले ही स्कूल से लौटे थे। बेड पर जली लाशें मिली हैं। घटना जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव की है। बच्चों के पिता ललन गुप्ता ने बताया कि दोपहर 12 से डेढ़ बजे के बीच यह घटना हुई है। किसी ने दोनों की हत्या की है। इसके बाद बेड पर शव जलाए गए हैं। बच्चों की मां एम्स में सिक्योरिटी गार्ड है और पिता चुनाव आयोग में कर्मचारी हैं।परिवार का ये भी आरोप है कि बच्चों के साथ कुछ गलत करने की कोशिश की गई। विरोध करने पर पहले हत्या की फिर दोनों को जिंदा जला दिया गया।2-3 लोगों ने घटना को दिया अंजामललन गुप्ता ने बताया कि 'मैं ड्यूटी पर था। पत्नी ने 2.30 बजे घटना की जानकारी दी, इसके बाद घर पहुंचे। घटना के आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। 2 या 3 लोगों ने मिलकर कुछ किया है। आग लगी होती तो बच्चा चिल्लाता-छटपटाता, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। दोनों की हत्या कर जलाया गया है। पुलिस अपराधी को आज ही पकड़े। रूम अंदर से बंद था। मेन गेट खुला था। 2 बजे मां घर पहुंची तो देखी लाशेंमाता-पिता रोज ड्यूटी पर चले जाते थे। बच्चे स्कूल से लौटने के बाद घर में अकेले रहते थे। मां 2 बजे के बाद घर लौटी तो बच्चे ने दरवाजा नहीं खोला। अंदर से बदबू आ रही थी। इसके बाद पति को फोन किया। पति तुरंत घर पहुंचे। अंदर देखा तो बेड पर बच्चों की जली हुई लाशें पड़ी थीं। बच्चों के मुंह पर कपड़ा था। आशंका जताई जा रही है कि मुंह दबाकर दोनों की हत्या की गई फिर लाशें जला दी गईं।पुलिस हर पहलू की जांच कर रही हैपुलिस ने तुरंत मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि यह दुर्घटना नहीं, बल्कि दबंगों ने घर में जानबूझकर आग लगा दी है। इन आरोपों की जांच की जा रही है।

भारत ने पाक को दिया झटका, चिनाब पर हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का टेंडर शुरू

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद पहला बड़ा कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर के स्वालकोट में 1856 मेगावाट के हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। भारत के इस कदम से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है क्योंकि यह परियोजना उसकी लगातार की जाने वाली आपत्तियों के कारण अब तक आरंभ नहीं हो पाई थी।नेशनल हाइड्रोपावर कॉरपोरेशन ने 1960 के दशक में बनाई गई इस योजना के तहत ई-टेंडर जारी किया है और इसके बारे में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। टेंडर भरने की आखिरी तिथि 10 सितंबर है। यह परियोजना जम्मू से करीब 120 किलोमीटर और श्रीनगर से 130 किलोमीटर दूर रामबन जिले के सिधू गांव में निर्मित की जाएगी। स्वालकोट परियोजना सिंधु नदी के पानी के अधिकतम इस्तेमाल की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि स्थगित कर दी थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंधु जल संधि को महत्वपूर्ण बताते हुए पाकिस्तान के शर्तों पर तैयार होने के लिए कांग्रेस की आलोचना की थी।

सीएम ने किया ऐलान... बंगाल सरकार ने दुर्गा पूजा समितियों का बढ़ाया अनुदान

एजेंसी/पटना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को एलान की कि उनकी सरकार राज्य भर में लगभग 40 हजार दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 1.10 लाख रुपये का अनुदान देगी। पिछले वर्ष दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 85,000 रुपये की अनुदान राशि दी गई थी। दुर्गा पूजा आयोजकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य बंगाल के सबसे बड़े त्योहार के आयोजन में समितियों को समर्थन देना तथा सांस्कृतिक और सामुदायिक जीवन में उनके योगदान को मान्यता देना है।ममता बनर्जी ने कहा, सरकार जनता के साथ खड़ी है। दुर्गा पूजा सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं है; यह एक सांस्कृतिक उत्सव है जो सभी को जोड़ता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आयोजक बिना किसी तनाव के अपने खर्चों का प्रबंधन कर सकें। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा यह घोषणा भी की कि अग्निशमन विभाग, कोलकाता नगर निगम, पंचायतें और नगर पालिकाएं जैसी सरकारी एजेंसियां तथा नगर निकाय पूजा समितियों से कोई कर या सेवा शुल्क नहीं लेंगी। उत्सव के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का आह्वान करते हुए बनर्जी ने पूजा आयोजकों से राज्य में लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों का समर्थन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं पूजा समितियों से अनुरोध करती हूं कि वे उन प्रवासियों की मदद करें जो प्रताड़ित होकर वापस आ रहे हैं।

परिवार से निष्काषित लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप ने खुले मंच से तेजस्वी यादव को दी चुनौती

महुआ विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने जा रहे तेज प्रताप

एजेंसी/पटना

महुआ विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने जा रहे तेज प्रताप यादव ने अपने चुनावी अभियान की शुरूआत मंदिर में पूजा से की. इसके बाद सभा में उन्होंने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव और महुआ के वर्तमान विधायक मुकेश रौशन पर तीखा हमला बोला। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अब खुलकर महुआ विधानसभा में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। महुआ से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद

शुरूआत उन्होंने आस्था से की, राधा बिहारी गजेन्द्र मंदिर में पूजा-अर्चना कर जनता के बीच संपर्क अभियान की नींव रखी। मंदिर से निकलने के बाद तेज प्रताप ने एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने न सिर्फ जनता को साधने की कोशिश की, बल्कि सीधे अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव पर भी तंज कस दिया. उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी खुद को कृष्ण समझते हैं तो बांसुरी बजा कर दिखाएं, सब पता चल जाएगा कि असली कृष्ण कौन है और अर्जुन कौन। इस बयान के जरिए तेज प्रताप ने पारिवारिक राजनीतिक टकराव को भी सार्वजनिक मंच से दिखा दिया। सभा में तेज प्रताप का गुस्सा महुआ के मौजूदा राजद विधायक मुकेश रौशन पर भी फूटा। उन्होंने रौशन को बहरूपिया विधायक तक कह डाला और दावा किया कि उनकी मौजूदगी से ही रौशन घबरा जाते हैं। तेज प्रताप ने कहा, 'जब मैं महुआ आता हूं, तो बहरूपिया विधायक रोने लगता है. अब वो घूम-घूमकर खुद को साबित करने की कोशिश कर रहा है। सभा में तेज प्रताप ने वादों की झड़ी भी लगा दी। उन्होंने याद दिलाया कि महुआ में मेडिकल कॉलेज उन्हीं की देन है और आगे चलकर वह यहां एक बड़ी सब्जी मंडी भी बनवाएंगे। जनता से संवाद करते हुए उन्होंने खुद को जनता का असली सेवक बताया और कहा कि अब उन्हें किसी पार्टी की छांव की जरूरत नहीं।

जय मां काली के उद्घोष से गूंजा डुमरांव

- गुरुवार सुबह से ही नगर पंचित काली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़
- सावन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को सौ सालों से मनाया जाता है काली पूजन उत्सव

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरूवार सावन सप्तमी के दिन नगर पंचित काली मंदिर का वार्षिक पूजन उत्सव मनाया गया। पूजा को लेकर नगर के लोगों में काफी उत्साह था। जिसका परिणाम था कि वार्षिकोत्सव पूजन पर अहले सुबह चार बजे से देर रात तक श्रद्धालूओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालु महिलाए व पुरूष मंदिर परिसर पहुंच मातारानी के

दरबार में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना किए। मंदिर को आकर्षण ढंग से सजाया गया था। जैसे-जैसे शाम होता गया भक्तों की भीड़ बढ़ती गई। इस दौरान मंदिर प्रबंधन और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मां के उपर भक्तों की अपार श्रद्धा के कारण जैसे-जैसे शाम होता गया मेला भव्य रूप लेता चला गया। सुबह दोपहर व शाम को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां की भव्य आरती की गई। इसके साथ हीं श्रद्धालु कतारबद्ध होकर मां के दरबार में मत्था टेक अपने जीवन के खुशहाली की मन्नत मांगी। मां काली के दरबार में शहर सहित आस-पास के लोग महिला-पुरूषों की अपार भीड उमड़ी और भक्त श्रद्धा के साथ मां का दर्शन करते रहें। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए नगर विभिन्न मार्गों पर छोटी-बड़ी वाहनों का परिचलन बंद कर दिया गया था। चौक रोड, शक्ति द्वार से मंदिर परिसर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को एक घंटे से अधिक समय लगा। इसके साथ डुमरांव राजगढ़ स्थित विशाल नव दुर्गा मंदिर का भी वार्षिक उत्सव मनाया गया। जहां भक्तों ने पूजा अर्चना की। मंदिर प्रबंधन द्वारा मां दुर्गा के मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

नगर पंचित काली मंदिर के वार्षिक पूजन उत्सव में उमड़े लाखों श्रद्धालु, मुस्तैद रहा प्रशासन

राजगढ़ चौक काली मंदिर का सजा दरबार, दर्शन की उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर देवी मां काली की पूजा पारंपरिक तरीके से की गई। सुबह से ही मां के दर्शन के लिये लोग मंदिरों में पहुंचने लगे थे। नगर के राजगढ़ चौक पर मां काली का भव्य मंदिर विराजमान है, जिसमें माता के साथ अन्य देवियों की भी मूर्ति लगी हुई है। काली पूजा को लेकर मध्य रात्रि तक दर्शन के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। ग्यारह मंजिले इस मंदिर को लाइट से इस तरह से सजाया गया था, की दूर-दूर तक इसकी रोशनी फैली हुई थी। सुबह से लेकर संध्या वेला तक जहां पुरूषों की अधिक भीड़

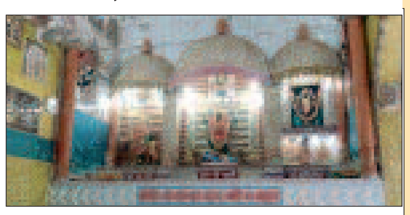

देखी गई वहीं संध्या होते ही महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जो मध्य रात्रि तक चलती रही। शहर क बीचोबीच मंदिर होने के कारण लोगों की आस्था बनी रहती है। वार्षिक पूजा को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया।

शक्तिपीठ के रूप में है प्रचलित मां काली का मंदिर

पूजा समिति के अध्यक्ष भगवान जी वर्मा ने बताया कि नगर पंचित काली आश्रम में वार्षिकोत्सव के दिन अहले सुबह से 12 बजे दोपहर तक जलाभिषेक किया गया। भक्तों के द्वारा पूजन और उसके बाद साढ़े आठ बजे माता का गर्भगृह बंद होने के बाद नौ बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान विधिवत पूजा अर्चना करने से श्रद्धालूओं की मन्नतें मांग अपने परिवार के सुख शांति के लिए प्रार्थना करते है। मंदिर के पुजारी ललन मिश्र व निरंजन ने बताया कि मनोकामना पूर्ण करने वाली मां काली का मंदिर शक्तिपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। बताया जाता है कि 100 वर्ष पूर्व कांव नदी के तट पर बहेलिया समाज द्वारा मां काली मंदिर की स्थापना छोटी मंदिर के रूप में हुई थी। बाद में यहां आयोजकों द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कराया गया है।

कच्ची रोटी व लवंग का चढ़ता है प्रसाद

हर घर की महिलाएं एक हाथ से गेहूं की आटें को गूंथ कर उस पर सात लवंग डाल रोटी तैयार करती है। मां काली आश्रम में लोगों द्वारा कच्ची रोटी का प्रसाद चढाया जाता है। डुमरांव के लोगों की ऐसी मान्यता है कि सावन माह में ऐसा करने से मां प्रसन्न होती है और घर परिवार में खुशहाली आती है।

सावन महीने में बन जाता है भक्तिमय माहौल

सावन महीना शुरू होते डुमरांव में पर्व त्योहार के साथ मेला का दौर शुरू हो जाता है। डुमरांव राज का इतिहास वक्त के साथ हमेशा बदलता रहा है। वर्षो पहले यहां घनघोर जंगल से घिरा हुआ था। तब डुमरांव राजगढ़ के बाहर बने मां काली के चौरा को आदिकाल में बनाया गया था। जिसे लोग अपनी आस्था के केन्द्र मानते थे। मगर जब यह नगर राजाओं द्वारा बसाया गया। उसी में गांव से बाहर परंपरा के अनुसार नगर पंचित मां काली आश्रम को बनाया।

सुरक्षा को लेकर सख्त रहा प्रशासन

वार्षिकोत्सव पूजनों को लेकर स्थानीय प्रशासन काफी सख्त रहा। जबकि चौक रोड, शक्ति द्वार से लेकर मंदिर परिसर तक जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहें। मंदिर के आस-पास सुरक्षा को लेकर हर मुख्य जगहों पर वीडियोग्राफी के साथ मंदिर के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाया था। ताकि किसी तरह की अनहोनी न हो सके। वहीं, एहतियात के तौर पर टैजफिक व्यवस्था में भी कई बदलाव किए गए थे।

डुमरांव में नो एंट्री उल्लंघन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो लाख रुपये जुर्माना वसूला

- स्थानीय नागरिकों की शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासन, ट्रक चालकों में मचा हड़कंप

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में नो एंट्री नियम का उल्लंघन करना भारी पड़ गया। गुरुवार को स्थानीय नागरिकों की शिकायत पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए नो एंट्री जोन में खड़े ट्रकों पर बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने कुल 36 ट्रकों से दो लाख पांच हजार रुपये जुमार्ना वसूल कर यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि अब नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामला शहर के टीचर ट्रेनिंग स्कूल से टेढ़की पुल के बीच का है, जहां प्रतिदिन नो एंट्री नियम को

दरकिनार कर भारी वाहन सड़क पर बेतरतीब खड़े रहते हैं। इससे न केवल जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि राहगीरों और स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुरुवार को जब स्थानीय प्रगतिशील किसान प्रकाश राय अपने खेत की ओर जा रहे थे, तभी मुख्य सड़क पर खड़े ट्रकों के कारण रास्ता अवरुद्ध मिला। ट्रक चालकों से जब रास्ता खाली करने को कहा गया तो उन्होंने बदसलूकी शुरू कर दी।

इस घटना से आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक घटनास्थल पर एकत्र हो गए और ट्रक चालकों के खिलाफ विरोध जताने लगे। मौके की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार स्वयं पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने नागरिकों को शांत कराया और तुरंत कार्रवाई का आदेश दिया। पुलिस ने वहां खड़े 45 ट्रकों की जांच की, जिनमें से 36 ट्रकों को नो एंट्री नियम तोड़ने का दोषी पाया गया और सभी पर जुमार्ना लगाया गया।

बता दें कि शहर में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक नो एंट्री लागू है। इस अवधि में किसी भी भारी वाहन का प्रवेश प्रतिबंधित है, लेकिन कई ट्रक चालक इस नियम को धज्जियां उड़ाते हुए सड़कों पर कब्जा जमा लेते हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, इस मनमानी के चलते जाम की स्थिति बन जाती है और खासकर खेती करने वाले किसानों को खेत तक पहुंचने में दिक्कतें आती हैं। घटनास्थल पर मौजूद नागरिकों में प्रकाश राय, श्रीनिवास राय, गुड्डु राय, हरेंद्र सिंह, बसंत राय सहित अन्य किसानों ने बताया कि अगर समय रहते ट्रकों की मनमानी पर रोक नहीं लगाई गई तो वे आंदोलन के लिए विवश होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नो एंट्री नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और इस जोन में नियमित गश्ती की व्यवस्था हो। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि नो एंट्री क्षेत्र में खड़े पाए गए 36 ट्रकों से कुल दो लाख पांच हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी नियम तोड़ने वालों पर इसी प्रकार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद शहर में ट्रक चालकों के बीच हड़कंप मच गया और दिनभर टिचर टेर्जनिंग कॉलेज से लेकर टेढ़की पुल तक सड़क खाली रही। स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन की यह सख्ती लंबे समय तक जारी रहेगी ताकि शहर को जाम और अव्यवस्था से निजात मिल सके।

बिहार विशिष्ट विशेष सशस्त्र पुलिस बल में कार्यरत है आरोपित व पीड़िता

शादी का झांसा दे महिला सिपाही का दो वर्षो तक किया यौन शोषण, तीन बार कराया गर्भपात, एफआईआर दर्ज

- पहली बार गर्भवती होने पर बैजनाथ धाम मंदिर ले जाकर किया था शादी, मई 2025 में आरोपित ने कर लिया दूसरी शादी
- आरोपित फरार, विभाग ने किया सस्पेंड

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विशिष्ट विशेष सशस्त्र पुलिस - 04 (बिसैप) हरियाणा फार्म डुमरांव में पदस्थापित एक महिला जवान के साथ उसके साथी जवान ने शादी का झांसा दे दो वर्षों तक यौन शोषण किया, इस दौरान पीड़िता तीन बार गर्भवती भी हुई। तीनों बार अलग-अलग बहाना बना आरोपित सिपाही ने उसका गर्भपात करा दिया तथा बार-बार सामाजिक रूप से शादी करने का झांसा दे महिला सिपाही से दुष्कर्म करते रहा। यहीं नहीं पहली बार गर्भवती होने पर

मई 2023 में आरोपित जवान उसे देवघर ले जाकर मंदिर में शादी भी किया था तथा कहा था कि मेरी बहन की शादी की वर्षगांठ है, जिसमें उसके ससुराल के लोग भी आए है। मैं बाद में अपने परिवार वालों को तुम्हारे बारे में बता तुम्हे सामाजिक रूप से अपना लूंगा, लेकिन तीसरी बार गर्भपात करवाने के बाद जब पीड़िता सामाजिक रूप से शादी करने का दबाव बनाने लगी तो वह साफ मुकर गया तथा उसे धमकी देने लगा। इसी बीच उसने मई 2025 में दूसरी लड़की से शादी भी कर ली। इसकी जानकारी मिलते ही पीड़िता ने डुमरांव थाने में उक्त जवान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मई 2023 में पता चला कि मैं गर्भवती हो गई हूं। जब मैने यह बात उमेश को बताई तथा शादी करने का दबाव बनाई तो वह कहने लगा कि मेरी बहन के शादी का वर्षगांठ मेरे घर मनाया जा रहा है, जिसमें बहन के ससुराल के लोग भी आए है। मैं बाद में अपने घरवालों को तुमसे मिलवा दूंगा। इसी दौरान उसने दवा खिला मेरा गर्भपात करवा दिया। इसके बाद वह मुझे धोखे में रखने के लिए देवघर मंदिर में ले जाकर शादी करने का स्वांग भी रचाया, लेकिन मुझे अपने घर नहीं ले गया। पीड़िता का कहना है कि सितंबर 23 में वह दूसरी बार तथा सितंबर 24 में तीसरी बार गर्भवती हो गई। तीसरी बार गर्भवती होने पर वह मुझे पटना ले गया तथा चेकअप कराने के बहाने एक क्लीनिक में ले जाकर फिर से मेरा गर्भपात करा दिया। पीड़िता का कहना है कि तीसरी बार गर्भपात कराने के बाद वह मुझे अपनाने से इंकार करने लगा तथा आखिरकार मई 2025 में दूसरी लड़की से शादी कर लिया।

इस संबंध में डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपित जवान को विभाग द्वारा सस्पेंड कर दिया गया है। वह फिलहाल फरार चल रहा है। उसे जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बहरहाल यह मामला पुलिस विभाग में लंबे समय से चर्चा का विषय बना हुआ है।

फरवरी 2023 को हुई थी दोनों की मुलाकात

पीड़िता पटना जिले की रहने वाली है। उसने डुमरांव पुलिस को दिए आवेदन में जिक्र किया है कि उसके साथ बिसैप में ही सिपाही के पद पर कार्यरत तथा मूल रूप से गया जिले के रहने वाले उमेश कुमार पिता गंगा यादव की मुलाकात फरवरी 2023 में हुई थी। इस दौरान वह मेरा नंबर ले लिया तथा बातचीत करने के साथ ही मुझे मैसेज भेजने लगा। वह मुझसे बार-बार मिलने की बात कहता था। पीड़िता का कहना है कि वह 27 अप्रैल 2023 को वाराणसी गई थी, उमेश भी मेरे पीछे वाराणसी चला गया। जहां, कैंट इलाके में एक होटल में कमरा लेकर मैं रूकी थी। इसी होटल में वह पहली बार मेरे साथ दुष्कर्म किया तथा विरोध करने पर वह मेरा हाथ पकड़ लिया था तथा मुंह भी ढंक लिया था। बाद में जब मैने इसकी शिकायत करने की बात कही तो वह रोने लगा और कहा कि मेरी नौकरी चली जाएगी, मैं तुमसे शादी कर लूंगा।

तार के मकड़जाल और रोड पार कनेक्शन ले जाने से बना हुआ जान जाने का भय

- बिजली विभाग की निष्क्रीयता से शहर के उपभोक्ताओं को परेशानी
- शहर में 12 हजार बिजली के उपभोक्ता हैं शहर में

केटी न्यूज/डुमरांव

आए दिन बिजली के तार के टूटने और उसमें आग लगने से उपभोक्ताओं को जहां परेशानी झेलनी पड़ती है, वहीं व्यवसायियों को आर्थिक क्षति सहनी पड़ती है। विभाग के द्वारा रोड के दोनों तरफ बिजली को पोल खड़ा कर तार लगा दिया गया है। इतना ही नहीं उसमें 220 और 220 वोल्ट का तार लगा दिया गया है। बावजूद रोड के पार के कनेक्शन को हटाया नहीं गया है, जिससे आम जनों की परेशानी कम नहीं हुई है। इतना ही नहीं तार टूटने के बाद जान-माल की क्षति को भी लोगों को सहना पड़ रहा है। पिछले महीनें ही कमल नगर में बिजली का तार झुका होने के कारण उसकी चपेट में एक ब्रह्मपुर निवासी एक नौजवान मौत हो गई थी। मालूम हो

कि बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी से बचाने और सुरक्षा को देखते हुए विभाग ने रोड के दोनों तरफ बिजली का पोल खड़ा कर तार को दौड़ाते हुए उसमें करंट भी दौड़ा दिया है। तार में करंट दौड़ा दिये जाने से लोगों को कनेक्शन देने का काम शुरू कर दिया गया है। पहले एक तरफ पोल खड़ा होने से दोनों तरफ कनेक्शन रोड को पार करते हुए दिया गया है। अब आम लोगों के साथ बिजली के उपभोक्ताओं की मांग होने लगी है कि रोड के जिस तरफ जिसका घर है, उसी तरफ के पोल से कनेक्शन दे दिया जाए। उनका कहना है कि रोड के दोनों तरफ से बिजली का कनेक्शन दे दिया जाता है तो आम लोग परेशानी से बचेंगे ही विभाग को भी तार टूटने की समस्या से निजात मिल जाएगी।

डुमरांव में बीएलओ प्रशिक्षण संपन्न, त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार डुमरांव प्रखण्ड सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और उनके पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में डुमरांव प्रखण्ड क्षेत्र तथा नगर परिषद क्षेत्र के सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने की। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सभी उपस्थित बीएलओ को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय सीमा में त्रुटिरहित और पारदर्शी ढंग से कार्य संपन्न करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक बीएलओ की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने मतदान केन्द्र क्षेत्र में पात्र मतदाताओं के नाम को मतदाता सूची में सम्मिलित करें एवं अपात्र नामों को हटाएं। प्रशिक्षण में बीएलओ को बताया गया कि योग्य मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र-6, मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7, और नाम, पता या अन्य विवरण में सुधार के लिए प्रपत्र-8 का प्रयोग किया जाएगा।

सभी प्रपत्रों की उपलब्धता और उन्हें भरने की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के पश्चात एक अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके उपरांत आम नागरिकों द्वारा दावा और आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी, जिसमें बीएलओ को सक्रिय रूप से भाग लेना होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची पूरी तरह अद्यतन, त्रुटिरहित और विश्वसनीय हो। अनुमंडल पदाधिकारी ने अंत में सभी बीएलओ से अपील की कि वे जनसंपर्क बढ़ाएं, घर-घर जाकर जानकारी लें, और हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित करें।

जयंती पर याद किए गए गोस्वामी तुलसीदास, आयोजित हुआ रामकथा

- रघुनाथपुर में जीवंत है रामचरितमानस के रचयिता तुलसीदास की स्मृतियां

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर स्थित तुलसी आश्रम में दो दिवसीय तुलसीजयंती समारोह के अंतर्गत रामकथा, संगीतमय सुंदरकांड पाठ तथा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। तुलसी विचार मंच द्वारा आयोजित इस समारोह में लोगों ने महाकवि गोस्वामी तुलसीदास को श्रद्धा से याद करते हुए उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर कथावाचक पंडित राजू मिश्र द्वारा रामकथा एवं तुलसीदास जीवन चरित्र का संगीतमय रूप से वर्णन किया गया जिसे सुनकर श्रद्धालुजन

भावविभोर हो गए। राम कथा के साथ साथ सुनील चौबे एवं अंजनी चौबे के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया जिससे तुलसी आश्रम का माहौल भक्तिमय हो उठा। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि गोस्वामीजी का महाकाव्य रामचरितमानस युगधर्म के साथ ही मानव जीवन की आचार संहिता है। उनका महाकाव्य रामचरितमानस लोक कल्याण और लोक धर्म का संदेश देते हुए समाज में मयार्दा और आदर्श की प्रेरणा देता है। इसके समान विश्व साहित्य में लोक कल्याणकारी साहित्य उपलब्ध नहीं है। गोस्वामीजी का मानस युवा पीढ़ी को युगों तक आदर्श, शील, स्नेह और संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर तुलसी विचार मंच के संयोजक शैलेश ओझा ने पौराणिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इस स्थल को पर्यटन स्थल के रूप विकसित करने की मांग करते हुए बताया कि पेड़-पौधों से भरा पूरा इस गांव का पुराना नाम बेला पतवत था। गांव से दक्षिण अरण्य (जंगल) वातावरण में भगवान राम का छोटा सा मंदिर। अपने आराध्य की मनोरम भूमि को देख गोस्वामी तुलसीदास यहीं प्रवास करने लगे। बोधिवृक्ष के नीचे साधना करने लगे और ग्रामीणों को राम कथा भी सुनाने लगे। गांव वालों की भक्ति देख गोस्वामी जी ने बेला पतवत गांव का नाम अपने आराध्य के नाम पर रघुनाथपुर कर दिया। यहां प्रवास के दौरान ही उन्होंने रामचरित मानस के कुछ अंशों की रचना भी की थी। गांव के जमींदार रघुनाथ सिंह ने गोस्वामी जी के रहने के लिए राम जानकी मंदिर के पास ही चार एकड़ जमीन दान में दे दी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सरकारी रिकार्ड में गोस्वामी तुलसीदास के नाम से रघुनाथपुर में संपत्ति भी है। समाजसेवी शैलेश कुमार ओझा, राजू मिश्रा, संतोष सिंह, गोपाल सिंह, संतोष साह बताते हैं कि वर्ष 1910 और 1970 के सर्वे खतियान के अनुसार गोस्वामी तुलसीदास के नाम से आज भी जमाबंदी है और उन्हीं के नाम से मालगुजारी रसीद में भूमि का कुल रकबा चार एकड़ 63 डिसमिल है। इसकी अद्यतन रसीद भी 2025 तक कटी है। शाहाबाद गजेटियर में उल्लेख है कि गोस्वामी तुलसीदास रघुनाथपुर में रहा करते थे।

एक नजर

बक्सर में कैप्टन से एक करोड़ रंगदारी मांगने दुल्हपुर के करण सिंह गिरफ्तार

बक्सर। बक्सर में मर्चेंटनेवी के कैप्टन से एक करोड रुपए रंगदारी मांगने के मामले में एक अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान सिमरी थाना के दुल्हपुर निवासी करण सिंह के रूप में हुई है। वहीं बक्सर नगर थाना के निवासी अमित कुमार पांडे के द्वारा पीड़ित के द्वारा अज्ञात के नाम पर फोन से रंगदारी मांगने की धमकी मिलने की सुचना थी। जिसके बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया और उसे गिरफ्तार कर लिया है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के मोबाइल से अपराध कृत क्या पति जनक तस्वीर बरामद हुई है जिसकी पुलिस जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर और जानकारी जुटाना का प्रयास किया जा रहा है

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी करने की तैयारी तेज, बक्सर में भी होगा सीधा प्रसारण

बक्सर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार 2 अगस्त को देश भर के करोड़ों किसानों को राहत देने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के सेवापुरी से योजना की 20वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर पर देश के 9.7 करोड़ से अधिक पात्र किसानों को कुल 20,500 करोड़ रुपये की धनराशि उनके खातों में हस्तांतरित की जाएगी। इस ऐतिहासिक मौके का सीधा प्रसारण देश के सभी जिलों और ग्राम स्तरीय केंद्रों पर किया जाएगा। बक्सर जिले में भी इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। जिला कृषि पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर को निर्देशित किया गया है कि वह 2 अगस्त को प्रातः 10 बजे से अपने-अपने ग्राम किसान समृद्धि केंद्रों पर कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करें।

धनसोई से मवेशी चुरा भाग रहे चार मवेशी चोरों को ग्रामीणों ने पीछा कर कोचस से पकड़ा

बक्सर। जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के पानापुर गांव से मवेशी चुरा भाग रहे एक चोर गिरोह का पीछा कर ग्रामीणों ने रोहतास जिले के कोचस से पकड़ लिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे धनसोई थानाध्यक्ष संतोष कुमार को ग्रामीणों पकड़े गए चार चोरों को सौंप दिया। पुलिस ने उनकी पिकअप वैन के साथ ही एक ग्लैमर व एक अपाची बाइक भी बरामद की है। मिली जानकारी के अनुसार पानापुर निवासी नीतीश कुमार सुबह में बाबा बैजनाथ धाम का दर्शन पूजन कर लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव के बाहर अपने मिल पर पहुंचे कि उन्होंने देखा कि उनके मिल का ताला तोड़ कुछ संदिग्ध लोग अंदर बंधी मवेशियों को चुरा उसे एक पिकअप वैन पर लाद रहे है। नीतीश माजरा समझ गए तथा तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों को दिए, लेकिन जबतक ग्रामीण वहां एकजुट हो आते तबतक चोर मवेशियों को पिकअप पर लाद आगे बढ़ चुके थे, लेकिन ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए उनका पीछा करना जारी रखे। इस दौरान चोर बक्सर जिला की सीमा को पार कर रोहतास में प्रवेश कर गए थे, लेकिन ग्रामीणों ने हार नहीं मानी तथा आखिरकार कोचस से सभी को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए चोरों की पहचान धनसोई थाना क्षेत्र के घंटाडीज गांव निवासी

राखियों की महक से महका बाजार, बहनों की भीड़ से गुलजार बिक्रमगंज

केटी न्यूज/रोहतास

रक्षाबंधन पर्व की आहट से बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल बढ़ गई है। मुख्यालय समेत काराकाट, संझौली, सूर्यपुरा, दिनारा, दावथ, राजपुर, नासरीगंज के ग्रामीण व शहरी बाजारों में राखियों की रंग-बिरंगी दुकानें बहनों को जैसे अपनी ओर खींच रही हैं। हर कोई भाई की कलाई पर बांधने के लिए सबसे सुंदर राखी चुनने में मग्न है । इस बार बाजार में परंपरागत मौली राखियों के साथ-साथ स्टोन वर्क,कंगन राखी, बच्चों के लिए कार्टून राखियां,चांदी की राखियां और पर्सनलाइज्ड राखियों की खूब मांग है। मुन्ना कुमार, संतोष कुमार, मुन्ना प्रसाद, रोहित कुमार सहित अन्य दुकानदारों के मुताबिक महंगी राखियों के साथ-साथ बजट फ्रेंडली राखियां भी तेजी से बिक रही हैं,ताकि हर बहन अपने भाई को खुश कर सके । साथ ही साथ मिठाई की दुकानों पर भीड़ बढ़ी है,गिफ्ट शॉप्स पर रंग-बिरंगे तोहफों की खरीदारी हो रही है और पूजा के थाल-सामानों से दुकानें गुलजार हैं । बाजार की रौनक देखकर लगता है मानो हर बहन के दिल की दुआ,भाई की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए बाजार की हवा में घुल गई हो । ललिता देवी,फूलवंती देवी,नंदा देवी,पम्मी दुबे,बंदना पांडेय, पूजा दुबे,सरिता दुबे,रुचि पांडेय,रिचा ओझा,खुशी ओझा,सुरेमणि देवी, सुशीला ओझा,लीला देवी,पलक उर्फ श्रेया,नीति,शिवांगी,सिद्धि,पृसा सहित अन्य बहनों का कहना है कि राखी सिर्फ एक धागा नहीं बल्कि भाई-बहन के रिश्ते का सबसे पवित्र और मजबूत बंधन है,जिसे हर साल नई उम्मीद, नए उत्साह और नए प्यार के साथ मनाया जाता है ।

अभाविप ने चलाया सदस्यता अभियान

केटी न्यूज/रोहतास

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिक्रमगंज नगर इकाई द्वारा जिला सह संयोजक आदित्य कश्यप के नेतृत्व में अंजबित सिंह महाविद्यालय में सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें सैकड़ों छात्र व छात्राओं ने सदस्यता लिया। मौके पर मौजूद विभाग संयोजक सूरज सिंह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद द्वारा हर साल कॉलेज कैम्पस में सदस्यता अभियान चलाया जाता है। प्रत्येक वर्ष विद्यार्थी महाविद्यालय में आते है ।जिनको बहुत सारी समस्या होती तो उनके लिए कोई खड़ा नहीं रहता है ।इसलिए विद्यार्थी परिषद प्रत्येक महाविद्यालय में सदस्यता अभियान के माध्यम से नए-नए छात्र व छात्राओं के बीच जाकर पिछले वर्ष जो भी छात्रहित में काम हुए है। उनको संगठित करने के लिए आग्रह करते है। मौके पर मौजूद जिला संयोजक रितेश दुबे,सचिन कुमार, रवि भास्कर, सत्यप्रकाश तिवारी, अंकित कुमार, सोनू, गौरव,समित कुमार, मंटू कुमार , अक्षय कुमार, धीरज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सांसद सुदामा प्रसाद ने मुख्यमंत्री को लिखा चिटी कहा-जवैनिया में हो रहे कटाव की हो जांच

लोकसभा में उठा जवइनिया में भीषण कटाव व बर्बादी का मुद्दा, मिले सुविधा

केटी न्यूज/आरा

आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने जवइनिया गांव में भीषण कटाव व जिले में बाढ़ की स्थिति पर त्वरित ध्यान देने एवं राहत कार्य का मुद्दा कल लोकसभा में उठाया और आज मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीएम भोजपुर को चिट्ठी लिखा। उन्होंने कहा कि शाहपुर प्रखंड के दमोदरपुर पंचायत अंतर्गत जवइनिया गांव वार्ड संख्या 4 और 5 की ओर लाना चाहता हूं जहां बाढ़ के कारण स्थिति अत्यंत चिंताजनक बना हुआ है। इस साल अभी तक हनुमान मंदिर, गोवर्धन पहाड़ समेत लगभग 300 घर गंगा नदी की तीव्र धारा और लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण गंगा में विलीन हो गए हैं तथा प्राथमिक विद्यालय सहित कई घर अभी कटाव के कगार पर है. जबकि पिछले वर्ष इसी गांव के 64 घर गंगा नदी समा गया था, जिनमें से केवल 59 परिवारों को 1 लाख की मुआवजा राशि तथा 29 परिवारों को गढ़ा में 3 डिसमिल जमीन दी गई थी। वर्तमान वर्ष की स्थिति इससे कहीं अधिक भयावह है। गंगा नदी की धार अत्यधिक तेज है, और यह न केवल घरों को नुकसान पहुँचा रही है, बल्कि मतस्य पालन, कृषि फसल के साथ झ साथ जान-माल का भी बड़ा नुकसान हो चूका है.

आगे उन्होंने कहा कि गाँव के लोगों और विभिन्न स्थानीय स्रोतों के अनुसार, इस कटाव की एक बड़ी वजह यह भी मानी जा रही है कि आरा-मोहनिया फोर-लेन हाईवे के निर्माण हेतु इस क्षेत्र के ही व्यक्ति द्वारा अपने राजनितिक रसूख का फायदा उठाते हुए ग्रामीणों के विरोध के बाउजुद जवइनिया गाँव के सामने गंगा नदी से बड़े पैमाने पर बालू और मिट्टी का कटाई किया गया, जिससे गंगा नदी का दिशा ही बदल कर जवइनिया गाँव की ओर हो गया जो अब इस गाँव का गंगा नदी में समाने का मुख्य कारण बना हुआ है. दुसरे तरफ ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के मांग पर जिसमे मेरे द्वारा लोकसभा में उठाने के बाद 9 करोड़ की लागत से ठोकर बांध का निर्माण हुई. यह बांध भी भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया. जबकि ग्रामीणों की मांग थी की गाँव से 500 मीटर आगे पीछे निर्माण किया जाए. लेकिन प्रशासन ने एक ना सुनी।

त्वरित करवाई की मांग किया

1. आरा – मोहनिया फोर–लेन हाईवे के निर्माण हेतु जवइनिया गाँव के सामने गंगा नदी से बड़े पैमाने पर बालू और मिट्टी का कटाई का जाँच किया जाए तथा दोषी कम्पनी, अधिकारी ,संवेदक पर न्याय संगत करवाई हो।
2. गंगा नदी के किनारे कोईलवर से बक्सर तक स्थायी लगातार कंक्रीट बाँध का निर्माण किया जाए।
3. जवइनिया, अचरज राय के टोला, मझौलिया , राय के टोला के लिए विशेष पैकेज दिया जाए।
4. जिन परिवारों के घर गंगा में समा गए हैं उन्हें समतल जगह पर जमीन दिया जाए और घर बनाने के लिए 25 लाख रुपया दिया जाए तथा जिनके परिजन इस बाढ़ में मारे गए हैं, उन्हें 25 लाख तक का आर्थिक मुआवजा दिया जाए।
5. बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत के निम्नलिखित तत्काल उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

- **24 घंटे संचालित सामुदायिक रसोई**
- **पशुओं के लिए चारा एवं मोबाइल पशु चिकित्सालय**
- **साफ पेयजल, मोबाइल शौचालय, नावों की समुचित व्यवस्था**
- **पर्याप्त रोशनी, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट**
- **बच्चों के लिए दूध एवं गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच**
- **एक टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर की शुरूआत**
- **प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे युवाओं हेतु नि:शुल्क परिवहन सुविधा (बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन तक)**

(उक्त बातें सांसद के निजि सचिव ने प्रेस विज्ञप्ति के मध्य से दिया)

राजद कार्यालय जगदीशपुर मे किसानों का समस्या जानने के लिए उपस्थित हुए भाई दिनेश

केटी न्यूज/आरा

राजद नेता पूर्व विधायक जगदीशपुर भाई दिनेश ने राजद कार्यालय जगदीशपुर में किसानों की समस्याएं सुनीं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। किसानों ने भाई दिनेश को बताया कि नहर से जाने वाला नाला पूरी तरह भर गया है और नाला भी जाम हो गया है, जिसके कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। धान की रोपनी के लिए पानी की आवश्यकता है, लेकिन पानी की कमी के कारण किसानों को परेशानी हो रही है।

भाई दिनेश की कार्रवाई

भाई दिनेश ने SDO सिंचाई विभाग रामनगर से तत्काल बात की और कहा कि हर हालत में आज ही नाला को साफ करवाया जाए और किसानों को सिंचाई के लिए पानी तत्काल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि धान की रोपनी के लिए पानी की आवश्यकता है और किसानों को पानी नहीं मिलने से उनकी फसल प्रभावित हो रही है।

किसानों की उपस्थिति

इस अवसर पर अनिल सिंह, अजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रंजीत कुमार, भूपेंद्र सिंह , जवाहर सिह, सुदर्शन सिह सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे। उन्होंने अपनी समस्याएं बताईं और भाई दिनेश से समाधान की मांग की।

समस्या का समाधान

भाई दिनेश के प्रयास से रऊ्र सिंचाई विभाग राम नगर ने नाला को साफ करवाने और किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इससे किसानों को धान की रोपनी के लिए पानी मिलेगा और उनकी फसल को बचाया जा सकेगा। भाई दिनेश ने SDO phd से राजद कार्यालय पर लगा phd विभाग के चपाकल को दो फिट उचा करने के लिए बोले।

कायमनगर-बिरमपुर सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक

- **सड़क निर्माण का पहला चरण दौलतपुर बोरिंग से लवंग बाबा के मठिया होते हुए श्रीपालपुर तक पछरा हो गया**
- **सड़क निर्माण मे बड़े-बड़े मशीन लगे है**
- **सड़क का निर्माण बहुत तेजी से हो रहा है**

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा विधानसभा अंतर्गत कोईलवर प्रखंड के कायमनगर से बिरमपुर होते हुए श्रीपालपुर लौंग बाबा मठिया से दौलतपुर बोरिंग तक निमार्णाधीन सड़क का निरीक्षण करने बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिह पहुंचे।

ज्ञातव्य हो कि उक्त सड़क का निर्माण कार्य दौलतपुर बोरिंग से संवेदक द्वारा शुरूआत किया गया है। सड़क निर्माण का पहला चरण दौलतपुर बोरिंग से लवंग बाबा के मठिया होते हुए श्रीपालपुर तक पछरा हो गया है।

बड़हरा विधायक दौलतपुर बोरिंग से लवंग बाबा मठिया होते हुए श्रीपालपुर तक सड़क का निरीक्षण किए।

सड़क निर्माण मे बड़े-बड़े मशीन लगे है ।

बड़हरा विधायक ने सड़क निर्माण निरीक्षण करने के उपरांत जनता को संबोधन करते हुए कहा कि यह सड़क क्षेत्र के लोगो के लिए बहुत लाभकारी है।

क्षेत्र के लोगो का विकास की हमेशा मै चिन्ता करता हूँ। मेरा कार्य ही क्षेत्र का विकास करना है।

सड़क का निर्माण बहुत तेजी से हो रहा है ओर बहुत जल्द क्षेत्र के लोगो को यह सड़क मिल जाएगा, जिससे क्षेत्र की जनता को आवागमन मे सहायक बनेगा। सड़क निर्माण कार्य पूरे गुणवत्ता के साथ बन रहा है।

उन्होने कहा कि पूरे बड़हरा विधानसभा क्षेत्र मे विकास हो रहा है। मै जनता की सेवा करने के लिए विधायक बना हूँ।

भोजपुर डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला सहकारी विकास समिति से संबंधित समीक्षा बैठक, दिए गए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/भोजपुर

आज दिनांक 31 जुलाई 2025 को जिलाधिकारी भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला सहकारी विकास समिति से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सहकारिता, कृषि तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और सहकारिता के माध्यम से जिले के सर्वांगीण विकास पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड द्वारा बताया गया कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के पश्चात निरंतर सहकारी समितियों एवं उनके सदस्यों के हित में योजनाएं तैयार की जा रही हैं। सहकारिता के महत्व को देखते हुए वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से पैक्सों के कम्प्यूटरीकरण, कॉमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केंद्र, पेट्रोल-डीजल आउटलेट की स्थापना, पैक्स को बहुउद्देशीय संस्थान के रूप में विकसित करने हेतु आदर्श उपविधियों के अंगीकरण, विकेंद्रीकृत भंडारण योजना के विस्तार, संयुक्त कार्य समिति के गठन एवं क्रियान्वयन, त्रिस्तरीय सहकारी संस्थाओं (जैसे पैक्स, डेयरी एवं मत्स्य समितियों) को सशक्त करने, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं के आयोजन, सहकारिता ठउऊपोर्टल पर अकार्यरत समितियों के परिसमापन या पुनः सक्रिय करने जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि सहकारिता विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपर समाहर्ता एवं अंचलाधिकारियों के माध्यम से समितियों को आवश्यक सरकारी भूमि उपलब्ध कराई जाए। इस बैठक में उप विकास आयुक्त,सहायक समाहर्ता,जिला सहकारिता पदाधिकारी, प्रबंध निदेशक - जिला दुग्ध संगठन, भोजपुर, प्रबंध निदेशक - जिला मत्स्य फेडरेशन, भोजपुर, जिला विकास प्रबंधक - नाबार्ड, प्रबंध निदेशक - सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, आरा, जिला योजना पदाधिकारी, महाप्रबंधक/परियोजना पदाधिकारी - जिला उद्योग केंद्र, भोजपुर, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी - जिला परिषद भोजपुर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

खुटहां मठिया में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने ससुरालवालों पर लगाया हत्या का आरोप

रोहतास। संझौली थाना क्षेत्र के खुटहां मठिया गांव में गुरुवार तड़के उस समय सनसनी फैल गई,जब 24 वर्षीय सिंधु देवी की संदिग्ध हालात में मौत की खबर आई। सिंधु देवी की शादी वर्ष 2023 में गुलशन कुमार से हिंदू रीति-रिवाज के तहत हुई थी। मृतका का मायका सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में है। मिली सूचना के आधार पर दोनों पक्ष के लोग थाना पहुंचे हुए है,जहां मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही सिंधु देवी को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित और मारपीट की जाती थी,जिसके चलते उसकी हत्या कर दी गई है। वही ससुरालवालों का कहना है कि सिंधु देवी ने खुद आत्महत्या की है। घटना के संबंध में अलग-अलग दावों के बीच पूरे गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है। संझौली थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

एनएच-119ए फोरलेन परियोजना सहित प्रमुख सड़क योजनाओं की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

भोजपुर। आज दिनांक 31जुलाई 2025 को जिलाधिकारी भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनएच-119ए (पटना-आरा-सासाराम) फोरलेन परियोजना, ग्रामीण कार्य विभाग तथा पथ निर्माण विभाग द्वारा संचालित सड़कों के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से सर्वेक्षण, पिलरिंग की अद्यतन स्थिति, विभिन्न राजस्व ग्रामों के लंबित अभिलेखों,भूमि पोर्टल पर उत्पन्न भुगतान संबंधी समस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारियों से लंबित अभिलेखों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि शेष सभी अभिलेखों को अविलंब जिला भू-अर्जन शाखा में प्रेषित किया जाए।जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि बचे हुए भूमि अधिग्रहण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें। साथ ही, उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को परियोजना निदेशक, एनएचएआई (पटना एवं सासाराम) के साथ समन्वय स्थापित कर मुआवजा भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने एवं संबंधित विभागों से तालमेल बैठाकर अड़चनों का समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, पीरो को लंबित परियोजनाओं का अधियाचना प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा गया। वहीं, कार्यपालक अभियंता, शाहाबाद पथ प्रमंडल, आरा को संचालित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने और नगर क्षेत्र में वेंडिंग जोन एवं बबुरा-डोरीगंज पथ के चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, एनएचएआई के परियोजना निदेशक (पटना एवं सासाराम), अनुमंडल पदाधिकारी (सदर, पीरो, जगदीशपुर), भूमि सुधार उपसमाहर्ता (सदर एवं पीरो), ग्रामीण कार्य विभाग एवं शाहाबाद पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, तथा संबंधित अंचलों के अंचलाधिकारी (तरारी, चरपोखरी, गड़हनी, कोईलवर, उदवंतनगर, सहार, संदेश एवं बड़हरा) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बरसात के मौसम में कीचड़ और गड्ढों के कारण इस रास्ते से निकलना हो जाता था बेहाल

संझौली से चैता सियावंक तक मुख्य सड़क निर्माण कार्य शुरू, लोगों में खुशी की लहर

केटी न्यूज/रोहतास

लंबे समय से उपेक्षित पड़ा संझौली प्रखंड के गडुरा से चैता सियावंक तक जाने वाला मुख्य सड़क मार्ग आखिरकार फिर से निर्माण की राह पर लौट आया है । वर्षों से खराब हालात में पड़े इस मार्ग की मरम्मत व पुनर्निर्माण की मांग क्षेत्र के लोगों द्वारा बार-बार उठाई जा रही थी। जब सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत हो गई है,तो इलाके में खुशी और उम्मीद की लहर दौड़ गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क न केवल कई गांवों को आपस में जोड़ती है । बल्कि स्कूल,बाजार और अस्पताल जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने का यह प्रमुख मार्ग है। बरसात के मौसम में कीचड़ और गड्ढों के कारण इस रास्ते से निकलना मुश्किल हो जाता था। कई बार तो एंबुलेंस तक फंस जाया करती थी,जिससे मरीजों को काफी परेशानी होती थी। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में काफी उत्साह है। ग्रामीणों ने कहा कि यह कार्य उनके लिए किसी सौगात से कम नहीं है। इसके साथ ही निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने की मांग भी की। वहीं दूसरे तरफ पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि यह सड़क वर्षों से जर्जर अवस्था में थी,अब इसके निर्माण से क्षेत्र में विकास की रफ्तार बढ़ेगी और लोगों का आवागमन भी आसान होगा। ग्रामीणों ने कहा कि कार्य में किसी तरह की लापरवाही न हो। लोगों ने अब उम्मीद जताया है कि इस पहल से अब उनका जीवन थोड़ा सहज और सुरक्षित होगा ।

चुनावी साल में मगध-शाहाबाद को राजकीय कृषि महाविद्यालय का तोहफा, चिन्हित 37 .5 एकड़ भूमि की गई

महाविद्यालय मगध और शाहाबाद प्रमंडल का पहला सरकारी कृषि महाविद्यालय होगा

- जिला कृषि पदाधिकारी स्तर से अनापत्ति मिलने के बाद भूमि एवं राजस्व विभाग के स्तर पर अंतिम हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी
- बिहार के ग्यारह विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में दी जाती है कृषि शिक्षा

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के साल में मगध और शाहाबाद प्रमंडल को एक महत्वपूर्ण तोहफा मिलने जा रहा है। प्रदेश सरकार औरंगाबाद जिले में राजकीय कृषि महाविद्यालय की स्थापना की तैयारी कर रही है। इसके लिए हसपुरा प्रखंड के डिंडिर गांव में 37.5 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार चिन्हित की गई जमीन आम गैर मजरूआ परती कदीम श्रेणी की है, जिसका उपयोग कृषि महाविद्यालय की स्थापना के लिए किया जा सकता है। यह भूमि पूरी तरह विवादमुक्त मानी जा रही है और स्थानीय लोग इसे डिंडिर जंगल के नाम से जानते हैं। वर्तमान में यहां किसी प्रकार का निर्माण नहीं है। शासन और प्रशासन के स्तर पर इसे कृषि कॉलेज के लिए सबसे उपयुक्त स्थान माना गया है। प्रस्तावित महाविद्यालय का संचालन डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा-समस्तीपुर के शैक्षणिक ढांचे के अंतर्गत किया जाएगा। इसके लिए चिन्हित भूमि भी बिहार सरकार द्वारा इसी केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय को हस्तांतरित की जाएगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। हसपुरा के अंचल अधिकारी ने 29 जून को नजरी नक्शा के साथ अनापत्ति पत्र जारी कर दिया है। इसके बाद दाउदनगर के अनुमंडल पदाधिकारी और भूमि सुधार उपसमाहर्ता ने भी 16 जुलाई को संयुक्त रूप से अनापत्ति दी। इसी कड़ी में जिला प्रशासन ने जिला कृषि पदाधिकारी से भी अनापत्ति की मांग की है, जो जुलाई के पहले या दूसरे सप्ताह तक जारी हो सकती है। जिला कृषि पदाधिकारी के स्तर से अनापत्ति मिलने के बाद भूमि एवं राजस्व विभाग के स्तर पर अंतिम हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चुनावी साल को देखते हुए यह संभावना जताई जा रही है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही राज्य सरकार भूमि हस्तांतरण की औपचारिकताएं पूरी कर लेगी और राजकीय कृषि महाविद्यालय की विधिवत घोषणा कर दी जाएगी। यह महाविद्यालय मगध और शाहाबाद प्रमंडल का पहला सरकारी कृषि महाविद्यालय होगा। इसके शुरू हो जाने के बाद यहां छात्रों को कृषि विषयों में स्नातकोत्तर स्तर तक की पढ़ाई की सुविधा मिलेगी। इससे न केवल क्षेत्र के छात्रों को शैक्षणिक लाभ मिलेगा, बल्कि कृषि आधारित शोध और तकनीकी विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। बिहार में वर्तमान में जिन विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कृषि शिक्षा दी जा रही है, उनमें प्रमुख नाम हैं, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (समस्तीपुर), बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर), बिहार वेटनरी कॉलेज (पटना), संजय गांधी डेयरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी संस्थान (पटना), तिरहुत कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर (मुजफ्फरपुर), डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कृषि महाविद्यालय (किशनगंज), मंडन भारती कृषि महाविद्यालय (सहरसा) आदि। इसके अलावा, राज्य में कुछ निजी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों जैसे डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय (वैशाली), संदीप विश्वविद्यालय (मधुबनी), गोपाल नारायण सिंह यूनिवर्सिटी (सासाराम), केके यूनिवर्सिटी (नालंदा) एवं अन्य संस्थानों में भी कृषि शिक्षा प्रदान की जाती है। औरंगाबाद में खुलने वाला नया कृषि महाविद्यालय क्षेत्रीय छात्रों के लिए एक नई शैक्षणिक उपलब्धि साबित हो सकता है और इससे बिहार में कृषि शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा।

एक नजर

83 आधार कार्ड और 3 पैन कार्ड के साथ यूपी का साइबर ठग गोपालगंज में गिरफ्तार

पटना । गोपालगंज जिले की कुचायकोट पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए पकड़ी गांव में छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के तरेया सुजान थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर बंगरा गांव निवासी रवि कुमार के रूप में हुई है। कुचायकोट थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि आरोपी के पास से 83 आधार कार्ड और 3 पैन कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस को यह कार्रवाई उस समय सफलता मिली जब कुछ दिन पूर्व पकड़ी गांव की अफरीना खातून के बैंक खाते से अवैध रूप से रुपये की निकासी की गई थी। इस मामले में थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और पुलिस जांच कर रही थी। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी रवि कुमार खाली पड़े बैंक खातों को मामूली रकम में खरीदता था, और फिर उन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी के पैसों को मंगवाने में करता था। बाद में वह इन खातों से नकद राशि निकाल लिया करता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिन बैंक खातों का उपयोग ठगी में किया गया, उनके संबंध में पंजाब में भी प्राथमिकी दर्ज है। इसी सिलसिले में पंजाब पुलिस भी मामले की जांच कर रही थी। संयुक्त कार्रवाई में कुचायकोट और पंजाब पुलिस ने रवि कुमार को पकड़ी गांव से धर दबोचा। पुलिस अब आरोपी से अन्य साइबर ठगी मामलों में पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि यह गिरोह कई राज्यों में फैला हो सकता है।

पटना एम्स में विधायक चेतन आनंद के साथ मारपीट, आधे घंटे तक कमरे में बंधक बनाए रखा

पटना । राजधानी पटना में विधायक चेतन आनंद के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। चेतन आनंद बुधवार की रात अपने समर्थकों के साथ किसी मरीज को देखने पटना एम्स पहुंचे थे। इसी दौरान एम्स में तैनात गार्ड और जूनियर डॉक्टरों से उनका विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि बुधवार रात करीब 12 बजे चेतन आनंद अपने समर्थकों के साथ एक मरीज से मिलने एम्स पहुंचे, जहां किसी बात को लेकर उनका अस्पताल के गार्ड और जूनियर डॉक्टरों से विवाद हो गया। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान मारपीट और धक्का-मुक्की भी हुई। विधायक चेतन आनंद को करीब आधे घंटे तक कमरे में बंधक बनाए रखने की खबर है। मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के संबंध में फुलवारीशरीफ थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। फिलहाल एम्स प्रशासन और पुलिस अधिकारी दोनों पक्षों से बयान ले रहे हैं।

मुजफ्फरपुर में दो समुदायों में हिंसक झड़प, थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मी घायल

मुजफ्फरपुर। जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मीनापुर गांव में महावीरी झंडा जुलूस के दौरान तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। जुलूस जब गांव से होकर गुजर रहा था, तभी कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उस पर पथराव किया गया। इस घटना में राजेपुर थाना प्रभारी समेत कई लोग घायल हो गए। पथराव की घटना के बाद दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए और स्थिति ने हिंसक रूप ले लिया। उपद्रवियों ने एक झोपड़ीनुमा घर में आग भी लगा दी, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही जिले के वरीय अधिकारी हरकत में आए। एसएसपी सुशील कुमार, ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर, एसडीएम वेस्ट श्रेया श्री समेत कई थाना क्षेत्रों की पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि राजेपुर थाना क्षेत्र में महावीरी झंडा जुलूस के दौरान पुलिस की मौजूदगी में ही पथराव की घटना हुई। इसमें थाना प्रभारी को चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों की पहचान की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो।

मचा हड़कंप : जांच में जुटा शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग

एचपीवी टीकाकरण से बक्सर में 11 छात्राएं बेहोश

- चौसा प्रखंड के मध्य विद्यालय पवनी की है घटना, बच्चियों के बेहोश होने के बाद भय व भ्रम की स्थित में पड़ गए थे अभिभावक

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा प्रखंड के मध्य विद्यालय पवनी में गुरुवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के दौरान दर्जन भर छात्राओं के अचानक बेहोश हो जाने से अफरा-तफरी मच गई। इस अप्रत्याशित घटना ने जहां स्कूल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी, वहीं परिजनों और स्थानीय लोगों के बीच भय और भ्रम का माहौल उत्पन्न हो गया।

जानकारी के अनुसार, विद्यालय में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को एचपीवी टीका देने के लिए विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया था। इस दौरान जैसे ही कुछ छात्राओं ने टीका लिया, उनमें बेचौनी, चक्कर आना और घबराहट जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। देखते ही देखते करीब दर्जन भर छात्राएं बेहोश हो गईं, जिससे विद्यालय परिसर में भगदड़ की स्थिति बन गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज कुमार यादव तत्काल स्कूल पहुंचे और बेहोश छात्राओं को चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भिजवाने की व्यवस्था की। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम भी स्कूल पहुंचकर हालात को नियंत्रित करने में जुट गई।

सीएचसी में हुआ इलाज, स्थिति सामान्य

चौसा सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद सभी छात्राओं की हालत सामान्य बताई गई है। चिकित्सकों ने बताया कि घबराहट और मानसिक तनाव के कारण छात्राएं बेहोश हुई थीं। प्रभावित छात्राओं में करिश्मा कुमारी, रेखा, पार्वती, साक्षी, लक्ष्मी कुमारी, निधि, रूबी, रौशनी, बिंदु, खुशबू व टुन्नी शामिल हैं। इनमें से कुछ छात्राओं ने बताया कि टीका लगने के कुछ मिनटों बाद उन्हें तेज गर्मी लगने लगी और चक्कर आ गए, फिर उन्हें कुछ याद नहीं रहा।

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह स्वयं मौके पर पहुंचे और टीकाकरण अभियान की पूरी प्रक्रिया की जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि कुल 92 छात्राओं को एचपीवी टीका लगाया गया था। एक छात्रा के अस्वस्थ होते ही अन्य छात्राओं में भी डर और घबराहट फैल गई, जिससे कुछ बच्चियों में मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया देखी गई।

टीका सुरक्षित, घबराने की जरूरत नहीं: स्वास्थ्य विभाग

डॉ. सिंह ने कहा कि एचपीवी टीका पूरी तरह से सुरक्षित और प्रभावी है। यह टीका 9 से 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस तरह की घटनाएं अक्सर मानसिक दबाव और सामाजिक भय के कारण होती हैं, न कि टीके की गुणवत्ता या प्रक्रिया में त्रुटि के कारण।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में टीकाकरण को लेकर भय का माहौल बन गया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि टीकाकरण स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है और इससे घबराने की नहीं, समझदारी से आगे बढ़ने की जरूरत है।

अस्पताल में जुटी परिजनों की भीड़, हंगामा

छात्राओं के बेहोश होने की खबर फैलते ही उनके परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। कुछ समय के लिए अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि, चिकित्सकों और पुलिस बल की तत्परता से स्थिति को संभाल लिया गया।

प्रशासन ने दिलाया भरोसा

प्रशासन ने इस घटना की उच्चस्तरीय जांच का आदेश देते हुए कहा है कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई कि वे घबराएं नहीं, बल्कि टीकाकरण की महत्ता को समझें और सहयोग करें।

मुंगेर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, छह अवैध मिनी गन फैक्टरी का उद्भेदन; दो गिरफ्तार

- तीन देशी कट्टा, तीन अर्धनिर्मित कट्टा, एक अर्धनिर्मित रायफल, चार अर्धनिर्मित बैरल पुलिस ने किया बरामद

मुंगेर जिले की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गंगटा थाना क्षेत्र के पोखड़ी बहियार स्थित गोढ़िया नदी के किनारे छापेमारी कर छह अवैध मिनी गन फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भारी मात्रा में निर्मित और अर्धनिर्मित हथियारों के अलावा हथियार बनाने के उपकरण भी बरामद किए गए। मौके से दो आरोपियों बबलू प्रसाद सिंह उर्फ बबलू मंडल और राजेंद्र प्रसाद सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान तीन देशी कट्टा, तीन अर्धनिर्मित कट्टा, एक अर्धनिर्मित रायफल, चार अर्धनिर्मित बैरल, 18 अर्धनिर्मित ट्रिगर, तीन मैगजीन, सात जिंदा कारतूस, दो खोखा, एक ड्रिल मशीन, तीन मोबाइल फोन सहित बड़ी मात्रा में हथियार निर्माण के उपकरण बरामद किए। एसपी सैयद इमरान मसूद ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गंगटा थाना अध्यक्ष राहुल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि गोढ़िया नदी के पास अवैध हथियारों का निर्माण किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर खड़गपुर डीएसपी अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गंगटा थाना पुलिस और सशस्त्र बलों के सहयोग से गोढ़िया नदी के किनारे छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद तीन लोग फरार हो गए, जबकि दो को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बबलू प्रसाद सिंह पहले भी अवैध हथियार निर्माण के आरोप में जेल जा चुका है। एसपी ने बताया कि वह डेढ़ माह पूर्व ही जेल से छूटकर आया था और दोबारा अवैध मिनी गन फैक्टरी का संचालन करने लगा था। गिरफ्तार दोनों आरोपी पोखड़ी गांव के निवासी हैं और चोरी-छिपे अवैध हथियार बनाकर आस-पास के इलाकों में बेचते थे। एसपी ने कहा कि यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और सजगता का परिणाम है।

मुकेश सहनी ज्वाइन करेंगे एनडीए! बीजेपी अध्यक्ष ने कहा- राजनीति में कुछ भी संभव

केटी न्यूज/पटना

मुकेश सहनी को लेकर बिहार का सियासी पारा गर्म हो चुका है। मुकेश सहनी एनडीए के साथ आएंगे या नहीं इस पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हलांकि बीजेपी अध्यक्ष ने जो बयान दिया है उसके काफी मायने निकाले जा रहे हैं। मुकेश सहनी एनडीए के साथ आएंगे इससे जुडा सवाल जब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष से पूछा गया तो उन्होंने बडा बयान दिया। सहनी के एनडीए के साथ आने के सवाल पर दिलीप जायसवाल ने कहा राजनीति संभावनाओं का खेल है। राजनीति में कुछ भी संभव है. बीजेपी अध्यक्ष ने ये बयान तब दिया जब बीजेपी की ओर से मिलन समारोह का आयोजन किया गया था और बुद्धिजीवी समाज से जुडे कई लोगों ने बीजेपी का दामन थामा।

बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि यूपी से भी दो लडके निकले थे। लेकिन क्या हाल हुआ सभी जानते हैं। दवा लाते लाते बहुत देर कर दी. जनता

इस बात को समझ चुकी है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार काम कर रही है। गांव- गांव में बिजली बिल जीरो होने जा रहा है। पेंशन की राशि बढा दी गई है। आशा ममता बहन का मानदेय बढा। डोमिसाईल नीति के तहत 100 फीसदी आरक्षण महिलाओं को दिया गया। पूरे बिहार में पुल ही पुल नजर आते हैं। अब पहले रामायाण महाभारत का सीरियल हमलोग बैटरी चार्ज कर देखते थे। आज केवल पटना में10 यूनिवर्सिटी हैं। दो एम्स हैं मेडिकल कॉलेज खुल रहे। इंजीनियरिंग कालेज खुल रहे. जनता ने विकास का स्वाद चख लिया है।

महिलाओं को मिलेगा तीन श्रेणियों में ऋण, नीतीश सरकार ने 105 करोड़ रुपये की राशि की उपलब्ध

केटी न्यूज/पटना

बैठक का आयोजन ग्रामीण विकास विभाग के सभागार में किया गया, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के वरीय अधिकारी और प्रबंध समिति से जुड़ी 12 जीविका दीदियां शामिल हुईं। इसके अतिरिक्त अगले कुछ महीनों में इस निधि को दो हजार से तीन हजार करोड़ रुपये तक विस्तार देने का लक्ष्य तय किया गया है।जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा ने बताया कि इस सहकारी संघ के संचालन की पूरी जिम्मेदारी जीविका दीदियों को सौंपी गई है। उन्होंने जानकारी दी कि बिहार सरकार द्वारा इस निधि के लिए 105 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है, जिसमें स्थापना मद के लिए 5 करोड़ रुपये भी शामिल

हैं।शुरूआती चरण में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को तीन श्रेणियों में ऋण दिया जाएगा। इसमें 15 हजार रुपये, 75 हजार रुपये और अधिकतम दो लाख रुपये तक के ऋण शामिल हैं। ये ऋण 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध होंगे। 15 हजार रुपये का ऋण एक वर्ष में, 75 हजार का दो वर्ष में और दो लाख रुपये तक का ऋण अधिकतम तीन वर्षों में चुकाना होगा। मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत 653 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया भी तय की गई है। इनमें राज्य स्तर पर 43, जिला स्तर पर 76 (प्रत्येक जिले में दो) और प्रखंड स्तर पर 534 (प्रत्येक प्रखंड में एक) पद शामिल हैं। सभी पदों पर नियुक्ति प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा के आधार पर की जाएगी। हिमांशु शर्मा ने बताया कि जीविका निधि को एक सामुदायिक बैंक के रूप में तैयार किया जा रहा है, जहां महिलाओं को उनकी व्यावसायिक जरूरतों के मुताबिक किफायती दर पर पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उनके छोटे व्यवसायों को मजबूती मिलेगी और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में बड़ी पूंजी की जरूरत को ध्यान में रखते हुए विशेष ऋण उत्पाद भी तैयार किए जाएंगे। प्रबंधन समिति को भविष्य में ब्याज दरों में बदलाव का अधिकार दिया गया है। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने कहा कि जीविका निधि से ग्रामीण समुदाय को त्वरित और सुलभ ऋण की सुविधा उपलब्ध होगी, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

राजस्व महाअभियान के प्रभावी संचालन को लेकर एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सीओ मिलेगी मुक्ति! राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का मास्टर प्लान

- बोले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह राजस्व महाअभियान की सफलता आप सभी पर निर्भर है
- हल्का स्तर पर दो शिविरों का आयोजन किया जाएगा और आवेदनों को साक्ष्य के साथ कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में राजस्व महाअभियान के प्रभावी संचालन को लेकर एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अभियान की रणनीति, तकनीकी पक्ष और क्रियान्वयन प्रक्रिया को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने मास्टर ट्रेनरों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्व महाअभियान की सफलता आप सभी पर निर्भर है। आप सबकी जिम्मेदारी है कि जिले एवं अंचल स्तर पर टीम को दक्षता से प्रशिक्षित करें, ताकि अभियान धरातल पर प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित हो सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक जनोन्मुखी पहल है। इसका लक्ष्य है, हर घर तक पहुंचना, राजस्व सेवाओं को पारदर्शी बनाना और रिकॉर्ड अपडेट करना। इसके तहत जमाबंदी की प्रति, पंफलेट एवं आवेदन प्रपत्र घर-घर जाकर वितरित किए जाएंगे। हल्का स्तर पर दो शिविरों का आयोजन किया जाएगा और आवेदनों को साक्ष्य के साथ कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण और सूचना एवं जनसंपर्क विभागों का सहयोग लिया जाएगा। इसकी प्रक्रिया चल रही है। अनुसूचित जातिहजनजाति टोला तक विशेष अभियान चलाने की योजना भी बनाई गई है, ताकि डॉ. आंबेडकर समग्र सेवा अभियान की तर्ज पर वंचित वर्ग तक समुचित सेवाएं पहुंचाई जा सकें। कार्यक्रम में विभाग के सचिव जय सिंह ने मास्टर ट्रेनरों को संबोधित करते हुए कहा कि टीम भावना एवं समन्वय ही इस अभियान की रीढ़ है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आप सभी को जिलास्तर पर टीम को प्रशिक्षित कर सक्षम बनाना है। गांवों में पूछे जाने वाले सवालों का सकारात्मक जवाब देने के लिए नीचे स्तर तक की टीम को तैयार रखना होगा।आईटी मैनेजर आनंद शंकर द्वारा अभियान के तकनीकी पक्ष, पोर्टल उपयोग, आवेदन प्रक्रिया, माइक्रो प्लान एवं क्रियान्वयन मॉडल पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया। जिलावार मास्टर ट्रेनरों के डाउट्स को भी मौके पर दूर किया गया। प्रशिक्षण में राज्य के सभी जिलों से एकहएक भूमि सुधार उप समाहर्ता, अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक बंदोबस्त अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों से उनका फीडबैक लिया गया, जिससे कि महा-अभियान के क्रियान्वयन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को दूर किया जा सके।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी कांवड़ यात्रा पर निकले

पटना। पटना सावन के महीने में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड समेत विभिन्न राज्यों में कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस कांवड़ यात्रा में करोड़ों की संख्या में लोग भाग ले रहे हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं। अब भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने भी कांवड़ यात्रा में भाग लेने का ऐलान किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया आईडी से अपने पूरे कार्यक्रम की जानकारी साझा की है। मनोज तिवारी ने जानकारी दी है कि वह गुरुवार को बिहार के सुल्तानगंज से झारखंड के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक 100 किलोमीटर से ज्यादा लंबी कांवड़ यात्रा करेंगे। मनोज तिवारी ने बताया है कि वह पैदल यात्रा करेंगे और उनकी यह कांवड़ यात्रा तीन अगस्त तक पूरी होगी। मैं 30 साल बाद एक बार फिर कांवड़ उठाकर बाबा वैद्यनाथ धाम जा रहा हूं। आज बिहार के सुल्तानगंज से 2 बजे जल उठाकर नंगे पांव 110 ' पैदल चलकर देवघर बाबा वैद्यनाथ धाम में 2 अगस्त या 3 अगस्त को जल ढारूंगा। भोले बाबा बिहार सहित दिल्ली का, हमारा-आपका, सभी सनातनियों का व शिव में विश्वास करनेवाले हर प्राणी का कल्याण करें, इसी प्रार्थना के साथ। 3 अगस्त की शाम दिल्ली पहुंचूंगा। बोल बम।

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर में अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई, सरकारी जमीन पर गरजा प्रशासन का बुलडोजर

जमशेदपुर, एजेंसी। परसुडीह थाना के सरजामदा सेंटर चौक से सटे एक एकड़ सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण किया गया था। बुधवार को अंचल निरीक्षक बलवंत सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस बल ने अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से जमींदोज कर दिया। अतिक्रमण हटाने के दौरान कुछ लोगों की ओर से भारी विरोध किया गया। करीब आधे घंटे तक चले विरोध के बाद भारी संख्या में पहुंची पुलिस बल ने निर्माण को ध्वस्त कर दिया। विरोध कर रहे सरजामदा निवासी सूरज महतो, संटू महतो एवं जानकी देवी पर अंचल अधिकारी के लिखित ब्यान पर मामला दर्ज कर लिया गया है। अंचल निरीक्षक ने बताया कि सरजामदा मौजा के खाता नंबर 479, प्लाट नंबर 1255 रकबा करीब एक एकड़ सरकारी भूमि से पूर्व में अतिक्रमण हटाया गया था। इसके बावजूद कुछ लोग हाल में उक्त भूमि पर झोपड़ी का निर्माण कर रहे थे। उक्त प्लाट पर पक्का निर्माण के लिए गिट्टी और बालू गिराया गया था। सूचना मिलते ही अंचल की टीम परसुडीह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया। इस दौरान हो-हंगामा कर रहे दो पुरुष और एक महिला के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। परसुडीह, सरजामदा, गोविंदपुर से लेकर सुंदरनगर क्षेत्र में भू-माफिया सरकारी जमीन को हथियाने में लगे हुए है। सूचना मिलते की अंचल की ओर से उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर सरकारी बोर्ड लगाया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से सरकारी भूमि पर अतिक्रमण ना करने की अपील की है।

अब घर से पार्सल लेने आएगा डाकिया, मेल करके भी उठा सकते हैं सुविधा का लाभ

जमशेदपुर, एजेंसी। अब डाकिया सिर्फ चिट्ठियां या पार्सल पहुंचाने नहीं बल्कि आपके घर से पार्सल लेने भी आएगा। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित प्रधान डाकघर में इंडिया पोस्ट की नई सेवा शुरू की गई है, जिसमें लोग घर बैठे पार्सल भेज सकेंगे। इसके लिए ग्राहक डाकघर की वेबसाइट के जरिए मेल कर सकते हैं या सीधे प्रधान डाकघर जाकर संपर्क कर सकते हैं। पार्सल कलेक्शन की जिम्मेदारी डाकघर के दो कर्मचारियों को सौंपी गई है, जिनमें एक निशांत कुमार शामिल हैं। डाकघर अब पारंपरिक ढांचे से निकलकर एक मल्टी-सर्विस हब बन गया है। न सिर्फ खत भेजना या मंगवाना, बल्कि अब खाता खोलना, सामान मंगवाना और धार्मिक वस्तुएं खरीदना भी संभव है। यह सेवा सीधे लोगों के घर तक पहुंच रही है और रोजमर्रा की जरूरतों का अहम हिस्सा बन रही है। सावन के मौके पर डाक विभाग की एक और अनोखी पहल सामने आई है। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों जैसे देवड़ी मंदिर (नेशनल हाईवे), दलमा पहाड़ शिव मंदिर और जोइदा मंदिर के बाहर अब गंगाजल की बिक्री की जा रही है। 250 ग्राम के गंगाजल पैक की कीमत 30 रुपये रखी गई है। बीते 25 दिनों में लगभग 1,000 डिब्बे गंगाजल बेचे जा चुके हैं। यह सेवा श्रद्धालुओं को न केवल सुविधा देती है, बल्कि डाक विभाग की बढ़ती पहुंच का प्रतीक भी है। रक्षाबंधन को लेकर डाकघर में तैयारियां जोरों पर हैं। बिष्टुपुर प्रधान डाकघर में राखी भेजने वालों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए विशेष काउंटर खोले गए हैं। इतना ही नहीं, ग्राहकों की सुविधा के लिए रविवार को भी डाकघर खुला रहेगा ताकि राखियां समय से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

एसीबी ने घूस लेते रोजगार सेवक को दबोचा, मनरेगा लाभुक से ले रहा था रिश्वत

मनिका (लातेहार), एजेंसी। मनिका प्रखंड अंतर्गत वान्हो व बरवाइया पंचायत में कार्यरत रोजगार सेवक चंदन कुमार को एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है। पलामू एसीबी की टीम ने चंदन कुमार रोजगार सेवक को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते उनके आवास से रंगे हाथों दबोच लिया है। सुकर शेड का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद राशि निकासी के लिए उसने मनरेगा लाभुक से पांच हजार रुपये की मांग की थी। लाभुक ने एसीबी टीम को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद एसीबी टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची। जैसे ही लाभुक से उसने घूस की राशि ली, टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम उसे गिरफ्तार कर अपने साथ पलामू ले गई है। एसीबी की इस कार्रवाई से भ्रष्ट कर्मियों में दहशत बना है। लोग उसके बारे में तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। बरवाडीह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भरत राम के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए कल्याणपुर निवासी सरिता देवी की शिकायत पर जमीन की रसीद कटवाने और उत्तराधिकार प्रमाण पत्र समेत अन्य कार्यों के नाम पर 22 लाख रुपये की ठगी करने के आरोपित अभिमन्यु कुमार उर्फ रवि पासवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी राजन अधिकारी ने बताया कि पीड़िता द्वारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसे लेकर अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए आरोपित की गिरफ्तारी की गई है।

रांची अपहरण कांड : तीन दिन पहले की थी रेकी

कार में लगाई थी स्कूटी की नंबर प्लेट; जिम ट्रेनर है मुख्य आरोपी

रांची/रामगढ़, एजेंसी। रांची में बिशप वेस्टकाट स्कूल की पांचवीं कक्षा की एक छात्रा का बुधवार को पांच नकाबपोश अपराधियों ने सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से अपहरण कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद तत्परता दिखाते हुए दो घंटे के भीतर ही छात्रा को रामगढ़ पुलिस के सहयोग से कुजू में बरामद कर लिया गया। वहीं, शाम होते-होते घटना में शामिल छह अपहर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। लड़की के पिता का रांची में फल का व्यवसाय है। वहीं, अपहरण का मुख्य आरोपित रुद्रांशु विश्वकर्मा एक जिम ट्रेनर है।

बताया जाता है कि उसने कई जगह से कर्ज ले रखा था और इस रकम को चुकाने के लिए अपने दोस्तों के साथ मिलकर छात्रा का अपहरण करने और उसके परिवार वालों से फिरौती वसूलने की साजिश रची।

अपहरण के दौरान उसके साथी ऋषभ बर्मन ने मौके पर फायरिंग भी की थी। पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त कार के साथ ही अपराधियों के पास से देसी पिस्टल, कट्टा, दो गोलियां, एक खोखा, दो स्मार्टफोन और 5200 रुपये नकद बरामद किए हैं। बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे कर्बला चौक निवासी फल कारोबारी की पुत्री टोटो से स्कूल जा रही थी। इसी क्रम में सिरमटोली फ्लाईओवर के पास कार पर सवार नकाबपोश अपराधियों ने टोटो को टक्कर मारते हुए, नाबालिग छात्रा को हथियार दिखाकर जबरन कार में बैठाया और रामगढ़ की ओर भाग निकले। इस दौरान अपराधियों के दो सहयोगी भी बुलेट से साथ-साथ चल रहे थे। मौके पर दहशत फैलाने के लिए अपराधियों ने फायरिंग भी की। लड़की की बरामदगी में रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा की तत्परता और मांडू थाना प्रभारी सदानंद की बहादुरी देखने को मिली। रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि अपहरण की सूचना मिलने के बाद पूरा पुलिस महकमा हाई अलर्ट मोड में आ गया।

रांची के सभी थानों में नाकेबंदी कर दी गई साथ ही पड़ोसी जिलों की पुलिस को भी सूचित कर उन्हें अलर्ट किया गया। सुबह 8.30 बजे लड़की का अपहरण होने के कुछ ही देर बाद पुलिस को रांची से अपहृत लड़की को कार में बिठाकर अपहर्ताओं के रामगढ़ की ओर भागने की जानकारी मिल चुकी थी।

रांची से मिले इनपुट पर रामगढ़ के एसपी अजय कुमार ने भी तत्काल सभी थानों में नाकेबंदी करा दी। इस बीच मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने पूर्वाह्न लगभग साढ़े नौ बजे उक्त कार को तेज रफ्तार से आते देखा। पुलिस व बैरियर को देख अपहर्ताओं ने यू टर्न लेते कार भगाने की कोशिश की इसके बाद थाना प्रभारी अपहर्ताओं का पीछा करने लगे। कुजू में हेसागढ़ा पुल के पास अपहर्ताओं की कार और पुलिस की जीप एक-दूसरे के समानांतर आ गई। थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने चलती गाड़ी से ही पिस्टल तानकर अपराधियों को रुकने की चेतावनी दी। चालक ने रुकने का इशारा किया लेकिन फिर भागने लगे। पुलिस वाहन भी उनके पीछे लगा रहा। अपहर्ता श्रीराम चौक कुजू से केबी गेट कॉलोनी मार्ग होकर भागने लगे।

यहां खुद को पुलिस से घिरता देख बैंक आफ बड़ौदा शाखा के समीप बदमाशों ने चलती कार से छात्रा को धक्का देकर नीचे गिरा दिया और तेज गति से कुजू चौक की ओर फरार हो गए। यहां छात्रा को बरामद कर पुलिस कुजू ओपी पहुंची इसके बाद पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपहर्ताओं की तलाश में जुट गई। पुलिस ने गोला-सिकिदरी मार्ग पर घेराबंदी कर कार सहित चार अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उनके दो अन्य सहयोगियों को भी रांची में गिरफ्तार कर लिया गया। रांची के एसएसपी ने बताया कि छात्रा रांची के निवारणपुर में पेंटिंग क्लास में जाती थी, जहां रुद्रांशु विश्वकर्मा भी जाता था। रुद्रांशु को पता था कि छात्रा के पिता आफताब आलम एक फल व्यवसायी हैं और उनके पास पैसे हैं। अपहरण के बाद अपराधी छात्रा के पिता से 10 से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगने की योजना बना रहे थे। वारदात को अंजाम देने के लिए अपराधियों ने किराये पर हुंडई आई 10 कार (जेएच 01 एफपी- 8837) ली थी। इसके बाद पुलिस को चकमा देने के लिए वाहन के नंबर प्लेट पर स्कूटी का नंबर (जेएच01एफयू- 6874) लिखवा दिया था।

अपराधियों ने तीन दिन पहले ही रेकी कर छात्रा के रूट और उसकी दिनचर्या की जानकारी जुटा ली थी। उन्होंने पता लगा लिया था कि छात्रा किस वाहन में कितने बच्चों के साथ स्कूल जाती है। इस जानकारी के आधार पर उन्होंने अपहरण की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। रांची पुलिस उस व्यक्ति को भी गोपनीय रूप से सम्मानित करेगी जिसने घटना के वक्त अपराधियों के द्वारा उपयोग की गई गाड़ी का नंबर नोट कर पुलिस को बताया था।

एसएसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि अपहरण मामले में चार मुख्य आरोपितों समेत दो सहयोगियों की गिरफ्तारी हुई है।

छोटे गांव से बड़ी उड़ान, गिरिडीह के अभिषेक नयन ने जेपीएससी में हासिल की 25वीं रैंक

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के अभिषेक नयन ने जेपीएससी परीक्षा में 25वीं रैंक प्राप्त कर गांव महेशियादिघी और देवरी प्रखंड का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह दिखाती है कि मेहनत और संकल्प से कोई भी लक्ष्य संभव है।

स्ह्रष्द्धह्रह्र स्ह्रश्चह्व4= मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से कोई भी मुकाम पाया जा सकता है। इस बात को सच कर दिखाया है ग्राम महेशियादिघी निवासी अभिषेक नयन उर्फ बिट्टू ने। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2025 में 25वीं रैंक हासिल कर उन्होंने कोसोगोंदोदिघी पंचायत, देवरी प्रखंड और गिरिडीह जिला का नाम पूरे राज्य में रोशन किया है। अभिषेक नयन के पिता श्री मुन्ना औझा एक साधारण ग्रामीण परिवेश से आते हैं। बेटे की इस उपलब्धि से न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोग एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिला रहे हैं और हर ओर बधाइयों का दौर चल रहा है।

अभिषेक की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत और समर्पण है। उन्होंने स्कूली शिक्षा के बाद ही सिविल सेवा की तैयारी शुरू कर दी थी। सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार खुद को निखारते रहे। अभिषेक का मानना है कि संघर्ष की राह आसान नहीं होती, लेकिन नियत सही हो तो मंज़िल जरूर मिलती है।

महेशियादिघी गांव में इस सफलता को लेकर उत्सव जैसा माहौल है। गांव के बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक, हर कोई अभिषेक की सफलता को अपनी उपलब्धि मान रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों और शिक्षकों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

जिले में बादलों के आने का दौर जारी है। इसके मजबूत होने पर बारिश होती रही है। मंगलवार की सुबह से ही आसमान में बादल रहे है। इसके बाद कहीं हल्की, तो कहीं झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग की मानें, तो सोमवार की दोपहर एक बजे से मंगलवार की दोपहर एक बजे तक राज्य में सबसे अधिक बारिश पूर्वी टुंडी में रिकॉर्ड की गयी है। यहां पर 174 एमएम बारिश हुई है। करमाटांड़ में 14816 एमएम बारिश, टुंडी में 140 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गयी है। मैथन में 8214 एमएम, गोविंदपुर में 7414, केलियासोल में 4512, सिंदरी में 2215, पुटकी में 20 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गयी है।

108 एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल समाप्त, इन चार सूत्री मांगों पर बनी सहमति

रांची, एजेंसी। झारखंड में तीन दिनों से जारी 108 एंबुलेंस चालकों की हड़ताल समाप्त हो गयी है। झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई वार्ता के बाद हड़ताल वापस लेने की घोषणा की है। गुरुवार से सभी कर्मचारी पुन: ड्यूटी पर लौट जाएंगे।

बुधवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के साथ हुई बैठक में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी के एमडी शशि प्रकाश झा, झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के एमडी अबु इमरान, परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त डॉ प्रवीण प्रकाश एवं 108, 104 और एनजीओ के स्टेट नोडल पदाधिकारी डॉ पंकज कुमार सिन्हा की उपस्थिति में कई बिंदुओं पर सहमति बनने के बाद एंबुलेंस कर्मियों ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। संघ के अध्यक्ष नीरज तिवारी ने बताया कि बैठक में कर्मचारी संघ की चार सूत्री मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिनमें कुशल श्रमिक के अनुरूप मानदेय देने, अगस्त माह से ईपीएफ लागू करने और ओवरटाइम का नियमानुसार भुगतान शामिल था। इन मांगों पर सरकार की ओर से सकारात्मक पहल की शुरुआत कर दी गयी है।

अपर मुख्य सचिव ने कर्मचारियों को कुशल श्रमिक की श्रेणी के मानदेय व ओवरटाइम भुगतान का निर्देश दिया है। वहीं, अगस्त महीने से ईपीएफ लाभ सुनिश्चित करने तथा 15 हजार से अधिक की राशि पर कर्मियों से कंसेंट लेटर लेने का निर्देश दिया गया। सितंबर माह से ईपीएफ कटौती के साथ वेतन भुगतान करने को कहा गया।

बैठक में यह भी सहमति बनीं कि जिन कर्मियों को हड़ताल अवधि में हटाया गया था, उन्हें भी पुन: बहाल कर दिया जाएगा। सभी 108 एम्बुलेंस ड्राइवरों को अपने लाइसेंस और ईएमटी कर्मियों को अपने प्रमाण पत्र व्हाट्सएप ग्रुप में अपलोड करने का निर्देश दिया गया है। अपर मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट किया कि कर्मचारी अनुशासन बनाए रखें। अनुशासनहीनता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के बाद 108 एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने भरोसा जताया कि जिन मुद्दों पर आज सहमति बनीं है, उसपर तत्काल विभाग आगे बढ़ेगा।

40 बैंक खातों पर एफआईआर, साइबर ठगी में थे शामिल

रांची, एजेंसी। झारखंड सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच ने साइबर अपराधियों से जुड़े बैंक खातों को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा 40 ऐसे बैंक खातों के धारकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जिनके खातों में साइबर ठगी के 10 लाख या उससे अधिक रुपए ट्रांसफर किए गए थे।

साइबर अपराधियों के खिलाफ झारखंड पुलिस का वार लगातार जारी है। इसी क्रम में साइबर अपराधियों के खिलाफ झारखंड पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीआईडी की साइबर क्राइम थाना रांची की थाना प्रभारी डीएसपी नेहा बाला ने अपने स्व-बयान के आधार पर 40 ऐसे बैंक खातों के धारकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है, जिनमें साइबर ठगी के 10 लाख या उससे अधिक की रकम का ट्रांजेक्शन किया गया। एफआईआर साइबर क्राइम थाना में केस संख्या 89/25 के रूप में दर्ज की गई है।

आपको बता दें कि झारखंड में 10 लाख और उससे अधिक की साइबर ठगी की जांच सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा की जाती है। इन मामलों में प्रारंभिक शिकायतें भारत सरकार के गृह मंत्रालय के नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज की जाती है। धोखाधड़ी की रकम को सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसीएफआरएमएस) के माध्यम से फ्रीज किया जाता है। इसके साथ ही गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल का उपयोग साइबर अपराधियों की प्रोफाइलिंग, नोटिस भेजने, नाम-पते का सत्यापन और म्यूल अकाउंट/लाभार्थी खातों के डेटा संकलन के लिए किया जाता है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर डीएसपी नेहा बाला ने एनसीआरपी और समन्वय पोर्टल के एकीकृत उपयोग से झारखंड के उन बैंक खातों (लाभार्थी खातों) का विश्लेषण किया, जिनमें साइबर ठगी की बड़ी राशि प्राप्त हुई थी। इस गहन विश्लेषण से 40 ऐसे बैंक खातों की पहचान हुई, जिनमें एक बार में 10 लाख या उससे अधिक की राशि प्राप्त हुई थी।

इन खातों में बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूको बैंक, इंडसइंड बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी बैंक, फेडरल बैंक, बंधन बैंक, फिनो पेमेंट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक के खाते शामिल हैं। इस तरह से 40 खाताधारिओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2), 318(3), 318(4), 319(2), 336(2), 336(3), 338, 340(2), 61(2) और आईटी एक्ट की धारा 66(बी), 66(सी), 66(डी) के तहत सभी 40 बैंक खाताधारकों को आरोपित किया गया है।

डीएसपी नेहा बाला ने अपने बयान में दावा किया है कि ये बैंक खाताधारक न केवल साइबर ठगी की घटनाओं के प्रारंभिक तौर पर शामिल हैं, बल्कि ठगी की रकम के लाभार्थी और साइबर ठगी गिरोह के पैसों की लाउंड्रिंग में भी शामिल हैं।

विधायिका के सवालों का जवाब देने में लापरवाह बनी कार्यपालिका, संसदीय कार्यमंत्री ने जताई नाराजगी

रांची, एजेंसी। राज्य में भले ही गुड गवर्नेंस की बात कही जा रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि विधायिका की बातों को कार्यपालिका तरजीह ही नहीं दे रही है। यह बातें झारखंड विधानसभा में आए बजट सत्र के दौरान सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा सवालों का उत्तर नहीं मिलने की वजह से लंबित सूची को देखने से साबित होता है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले बजट सत्र के दौरान शून्य काल में 391 सवाल आए, जिसका उत्तर विगत चार महीने में मात्र 31 प्राप्त हुए हैं। इस तरह से 360 प्रश्न शून्य काल में लंबित हैं। इसी तरह से आश्वासन समिति के जरिए 1371 आश्वासन आए, जिसमें सभी के सभी लंबित पड़े हैं। निवेदन के जरिए आए सवालों की बात करें तो पिछले सत्र में कुल 135 सवाल आए थे, जिसमें से 9 के उत्तर प्राप्त हुए हैं और 126 आज भी लंबित पड़े हुए हैं। ध्यानाकर्षण के जरिए आए 5 सवालों का जवाब आज तक विधानसभा सचिवालय को नहीं प्राप्त हुए हैं।

सैकड़ों की संख्या में उत्तर लंबित होने पर संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चिंता जताते हुए इसे कार्यपालिका की शिथिलता और लापरवाही बताया है।

उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र की गरिमा बनाकर रखनी है तो कार्यपालिका का अपेक्षित सहयोग जरूरी है। वह अगर सहयोग नहीं करेंगे, तो लक्ष्य की प्राप्ति करने में हम असफल रहेंगे और लोकतंत्र कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि जब विधानसभा का सत्र चलता है तो जनता की नजर रहती है अपने जनप्रतिनिधियों पर, अपनी सरकार पर और विधानसभा पर। जनता को यह भरोसा रहता है कि यहां से हमारी समस्याओं का निराकरण होगा, लेकिन इस तरह से यदि उत्तर प्राप्त न हो और सैकड़ों की संख्या में लंबित हो तो यह कार्यपालिका की शिथिलता और लापरवाही है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर भाजपा ने आयोजित किया स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 और विचार गोष्ठी

रांची, एजेंसी। भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रांची के हरमू स्थित स्वागतम बैंकट हॉल में स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 और विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाजपा के दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और डॉ. कलाम के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं ने उनके जीवन और विचारों से प्रेरणा लेने की अपील की, साथ ही केंद्र सरकार की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम की प्रभारी जफरिन महजबी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लाखों अल्पसंख्यक मुस्लिम युवाओं के लिए एक पहचान बन गए। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। जफरिन ने कहा, भाजपा उनकी पुण्यतिथि पर स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 का आयोजन कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे रही है। डॉ. कलाम ने अपनी कड़ी मेहनत और असाधारण क्षमता से दुनिया को दिखाया कि भारत किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं है। हर भारतीय को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

उन्होंने आगे कहा, राष्ट्र सर्वोपरि है और राष्ट्रभक्ति उससे भी ऊपर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश के दुश्मनों को करारा जवाब दिया है और भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. कलाम जैसे महान व्यक्तित्व के दम पर ही भारत की क्षमता को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, आज पूरा देश डॉ. कलाम को कोटि-कोटि नमन करता है। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें देश का राष्ट्रपति बनाकर सम्मानित किया। डॉ. कलाम ने भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

मरांडी ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने दुश्मनों को धूल चटाई है। यह सरकार देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है, और डॉ. कलाम का सपना साकार हो रहा है।

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार राय ने डॉ. कलाम के सादगी भरे जीवन को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा, इतने बड़े वैज्ञानिक होने के बावजूद डॉ. कलाम का स्वभाव बेहद सरल था। उन्होंने अपना जीवन शिक्षा, किताबों, और देश की सेवा में समर्पित किया। उनके जैसे लोग देश में रहेंगे तो कोई भी भारत की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करेगा। डॉ. राय ने युवाओं से अपील की कि वे डॉ. कलाम के जीवन से प्रेरणा लें और शिक्षा को अपने जीवन का आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि उनकी सादगी और समर्पण हर भारतीय के लिए एक मिसाल है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अपने संबोधन में अल्पसंख्यक समाज के युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, आज हर अल्पसंख्यक युवा डॉ. कलाम बन सकता है। शिक्षा किसी भी समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अल्पसंख्यक समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा के क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है। शिक्षा और कौशल विकास के जरिए युवा देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा के कई प्रमुख नेता शामिल थे, जिनमें प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रवक्ता राफिया नाज, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनवर हयात, मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमल खान, और काजिम कुरैशी प्रमुख थे। इन नेताओं ने भी डॉ. कलाम के योगदान को याद किया और उनके विचारों को अपनाने की अपील की। इस अवसर पर आयोजित स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 का उद्देश्य युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना था। यह आयोजन डॉ. कलाम के उस दृष्टिकोण को साकार करता है, जिसमें उन्होंने युवाओं को देश के विकास का आधार माना था। इस कार्यक्रम में युवा उद्यमियों को सम्मानित किया गया और उनके स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए विचार-विमर्श किया गया। डॉ. कलाम ने हमेशा युवाओं को सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए मेहनत करने की सलाह दी थी। उनके इस विचार को ध्यान में रखते हुए, स्टार्टअप यूथ अवार्ड 2.0 का आयोजन न केवल उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि है, बल्कि युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास भी है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भारत ने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों का विकास किया, जिसने देश की रक्षा क्षमता को मजबूत किया। राष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने जनता के बीच अपनी सादगी और प्रेरणादायक व्यक्तित्व के कारण जनता का राष्ट्रपति का खिताब हासिल किया।

सुभाषितम्

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं। - सत्यसाई बाबा

ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा में किसी सवाल का जवाब नहीं?

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही बहस मंगलवार को समाप्त हो गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में जवाब दिया। विपक्षी द्वारा जो सवाल उठाए गए थे. उसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष ने जहां एक-एक मुद्दे पर सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया। वहीं सरकार ने 1948 से लेकर मनमोहन सिंह के कार्यकाल के पीछे छुपकर विपक्षी सांसदों ने जिन सवालों के जवाब सरकार से मांगे थे। वह उन्हें सदन में नहीं मिले. ऑपरेशन सिंदूर की 16 घंटे की बहस में विपक्ष ने सत्ता पक्ष की जवाबदेही को लेकर कई गंभीर प्रश्न किये थे। ह्यविशेष चर्चाह्न के नाम से संसद में पहली बार चर्चा की गई। ह्यस्पेशल डिस्कशनह्न जैसी कोई प्रक्रिया का उल्लेख नियमों एवं परंपरा में नहीं है। विपक्ष ने शुरुआत में आपत्ति जताई थी, बहस किसी नियम या परंपरा के स्थान पर सरकार ने नए ढंग से सदन में चर्चा कराई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान जिसमें उन्होंने कहा यदि विपक्षी सांसद शांत नहीं रहे, तो कल सत्ता पक्ष के सांसद भी राहुल गांधी को बोलने नहीं देंगे। ऐसी धमकी बहुत कम सुनने को मिलती है। विपक्ष, विदेश मंत्री के भाषण पर आपत्ति कर रहा था। अमित शाह का यह बयान संसद की गरिमा और स्पीकर की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के भाषण की बात करें, तो उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले, भारत-पाक युद्धविराम और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया. उनका 40 से 50 मिनट का भाषण ज्वलंत सवालों के जवाब के बजाय, जवाब ने और उलझा दिया। उन्होंने कहा 22 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। बाद में भी सरकार की ओर से जिन वक्ताओं ने जवाब दिए उसमें से चीन और ट्रंप पुरी तरह से गायब रहे। विदेश मंत्री ने अगर बातचीत नहीं हुई तो डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे पहले ट्वीट कर युद्धविराम की जानकारी दी? इसका भी जवाब नहीं दिया। विपक्षी सांसदों ने ट्रंप द्वारा विभिन्न मंचों से करीब 26 बार युद्ध विराम ट्रेड के आधार पर कराने का दावा किया. इसके बाद भी सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया. विपक्ष द्वारा आपत्ति किए जाने पर अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, विपक्ष को अपने विदेश मंत्री पर भरोसा करना चाहिए,वह शपथ लेकर आए हैं। राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में ट्रंप का नाम तक नहीं लिया। नाहि विपक्ष ने किसी सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया। प्रियंका गांधी ने बड़े आक्रामक ढंग से सदन में अपनी बात रखी, पिन पॉइंट सवाल पूछे, उन्होंने अपने पिता की शहादत और मां की वेदना का भी जिक्र किया। सरकार की ओर से जवाब नहीं मिलने से विपक्ष को हमलावर होने का अवसर मिला, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में जिस आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी। देश में राहुल गांधी की नई छवि सामने आई है। सीमित समय पर उन्होंने तथ्यों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर सीधे वार किये। सदन में राहुल गांधी अपना पक्ष रख रहे थे. उन्हें बड़े ध्यान से सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद सुन रहे थे। संसद में राहुल गांधी ने जिस तरह हाव भाव के साथ हिंदी अंग्रेजी में अपना पक्ष रखा। उसके बाद अब कोई उन्हें पप्पू नहीं कहेगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में लगभग 2 घंटे का अपना सबसे लंबा भाषण दिया. उन्होंने भी विपक्ष के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया. उलटे 1948 से लेकर 2014 तक के इतिहास को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर हमलावर रहे. ऑपरेशन सिंदूर में हो रही विशेष बहस के दौरान सत्ता पक्ष के बीच में वह जोश खरोश देखने को नहीं मिला. जो प्रधानमंत्री की उपस्थिति में देखने को मिलता था।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संक्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे।

जन-जन के कवि, युगों के संत गोस्वामी तुलसीदास

- श्वेता गोयल

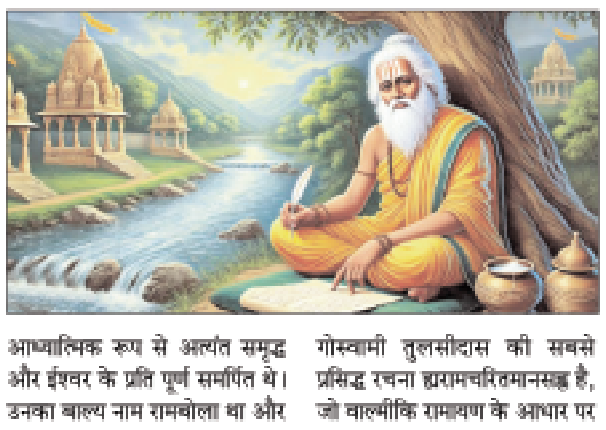

भारतीय साहित्य, भक्ति आंदोलन और आध्यात्मिक चेतना के आकाश में गोस्वामी तुलसीदास एक ऐसे नक्षत्र हैं, जिनकी चमक न केवल हिंदी साहित्य को आलोकित करती है बल्कि करोड़ों जनमानस के हृदय को भी आज तक प्रकाशित करती रही है। गोस्वामी तुलसीदास का जीवन, उनकी साधना, उनका साहित्य और उनका भक्ति भाव भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। तुलसीदास जी ने रामभक्ति को केवल एक धार्मिक भावना के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुए जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी गूढ़ तत्वज्ञान और सरल भाषा का अद्भुत संगम मानी जाती हैं।

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था, जो वर्ष 2025 में 31 जुलाई को पड़ रही है। जन्मस्थान के विषय में विभिन्न मत हैं परंतु अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक स्थान पर हुआ था। उनकी माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम दुबे था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण तुलसीदास का जीवन प्रारंभ से ही संघर्षपूर्ण रहा किन्तु वे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनका बाल्य नाम रामबोला था और उन्हें राम नाम लेते ही जन्म से आठों दांत मिल गए थे, जिसे लोग चमत्कार मानते थे।

तुलसीदास का जीवन भक्ति और सेवा की मिसाल है। उन्होंने गृहस्थ जीवन भी अपनाया था किन्तु एक प्रसंग के अनुसार, पत्नी की एक तीखी टिप्पणी ने उनके हृदय को ऐसा झकझोर दिया कि वे सांसारिक जीवन त्याग कर ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वह प्रसंग आज भी स्मृति में गूंजता है, जब पत्नी रत्नावली ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि यदि आप भगवान राम में इतनी ही आसक्ति रखते, जितनी मुझमें है तो आपका उद्धार हो गया होता। इस वाक्य ने तुलसीदास को आत्मचिंतन के लिए बाध्य किया और वहीं से उनकी रामभक्ति की अमर यात्रा का आरंभ हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना ह्यरामचरितमानसह्न है, जो वाल्मीकि रामायण के आधार पर अवधी भाषा में लिखी गई। यह केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय जनमानस की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह ग्रंथ एक ऐसी लोकगाथा बन गया है, जो मंदिरों से लेकर ग्रामीण चौपालों तक में सुनी और सुनाई जाती है। तुलसीदास जी ने भाषा को जन-जन से जोड़ा, पंडितों की सीमित संस्कृत को आम जनता की बोली में ढालकर रामकथा को एक व्यापक जनांदोलन का रूप दिया। उनकी भाषा अवधी होते हुए भी अत्यंत शुद्ध, सरल और भावगर्भित है, जो सामान्य व्यक्ति को भी गहरे आध्यात्मिक भाव में डुबो देती है। ह्यरामचरितमानसह्न सात कांडों में विभाजित है, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड। प्रत्येक कांड में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को अत्यंत सरस, मार्मिक और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया है।

राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना ह्यहनुमान चालीसाह्न है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। इसकी हर चौपाई आज भी करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे न केवल मानसिक शक्ति का संचार होता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है।

तुलसीदास का जीवनकाल मुगलों के शासनकाल में था, जब देश सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अस्मिता के संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तुलसीदास की रचनाएं भारतीय समाज में आत्मबल, सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक एकता का संचार करने वाली साबित हुईं। उन्होंने धर्म और संस्कृति को लोकभाषा के माध्यम से इस तरह जनमानस में प्रवाहित किया कि वह सामाजिक क्रांति का माध्यम बन गई। उनके समय में जब ब्राह्मणवादी संस्कृत को ही धर्म और विद्या का माध्यम माना जाता था, तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी को माध्यम बनाकर जनसामान्य को आध्यात्मिकता से जोड़ा और भक्ति को जन आंदोलन बनाया।

तुलसीदास के साहित्य का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वभर में रामकथा और तुलसी साहित्य का अनुकरण किया जाता है। दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में रामचरितमानस का पाठ, रामलीलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ श्रद्धा और भक्ति से किया जाता है। तुलसीदास के राम न केवल हिन्दुओं के आराध्य हैं बल्कि वे न्याय, धर्म, करुणा और विवेक के वैश्विक प्रतीक बन चुके हैं। तुलसीदास का जीवन इस बात का साक्ष्य है कि एक संत, एक कवि और एक साधक किस प्रकार से साहित्य और भक्ति के माध्यम से जनचेतना को जागृत कर सकता है। वे केवल एक कवि नहीं थे बल्कि समाज-सुधारक, अध्यात्म-प्रणेता और सांस्कृतिक योद्धा भी थे। उन्होंने शब्दों की शक्ति से एक ऐसे भारत की रचना की, जिसकी आत्मा आज भी रामभक्ति में रमी हुई है। उनका साहित्य न केवल भक्ति का मार्ग दिखाता है बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, आदर्श और अनुशासन का संदेश भी देता है।

तुलसीदास की जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, यह उस कालजयी चेतना का उत्सव है जिसने हिंदी साहित्य को उसका गौरव दिलाया, जिसने समाज को भक्ति और नीति का आधार प्रदान किया और जिसने एक ऐसे राम को जनमानस में प्रतिष्ठित किया, जो केवल मंदिरों में नहीं बल्कि प्रत्येक हृदय में बसे हैं। इस अवसर पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि तुलसीदास का जीवन और साहित्य केवल भूतकाल की विरासत नहीं अपितु वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश हैं। उनकी रचनाओं में वह शक्ति है, जो मानव को आत्म-चिंतन, आत्म-निर्माण और आत्म-समर्पण की ओर प्रेरित करती है। यही कारण है कि युग बदलते गए पर तुलसीदास की काव्यधारा अविरल बहती रही और आगे भी बहती रहेगी। उनके शब्दों में राम के आदर्श हैं, जीवन का सत्य है और भक्ति का वह अमृत है, जो युगों तक अमर रहेगा।

ट्रम्प भारतीय दर्शन से निकाल सकते हैं हल

- प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की ह्यवसुधैव कुटुंबकमह्न, ह्यसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्न एवं ह्यसर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामयाःह्न जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा। यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशानियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि ह्यपश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन्न हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैंह्न हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। ह्यमेक अमेरिका ग्रेट अगेनह्न के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हो परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए। भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है।

मुंशी प्रेमचंद: जिनकी कहानियों में सांस लेता है भारत

- योगेश कुमार गोयल

आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह और उपन्यास सम्राट महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपने लेखन के माध्यम से न सिर्फ दासता के विरुद्ध आवाज उठाई बल्कि लेखकों के उत्पीड़न के विरुद्ध भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उपन्यासों और कहानियों के अलावा नाटक, समीक्षा, लेख, संस्मरण इत्यादि कई विधाओं में साहित्य सृजन किया। प्रेमचंद ऐसे कहानीकार और साहित्यकार थे, जिन्हें आज भी सबसे ज्यादा पढ़ा जाता रहा है। उन्हें ह्यआम आदमी का साहित्यकारह्न भी कहा जाता है। चूंकि उनकी लगभग सभी कहानियां आम जीवन और उसके सरोकारों से ही जुड़ी होती थी, इसीलिए उनके सबसे ज्यादा पाठक आम लोग रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने सम्पूर्ण साहित्य लेखन में एक आम गरीब आदमी की पीड़ा को न केवल समझा बल्कि अपनी कहानियों और उपन्यासों के जरिये उसका निदान बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने अपनी लगभग सभी रचनाओं में आम आदमी की भावनाओं, उनकी परिस्थितियों, समस्याओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक शब्दांकन किया। आज भी हिन्दी भाषी दिग्गज लेखकों और साहित्यकारों का यही मानना है कि मुंशी प्रेमचंद जैसा कलमकार हिन्दी साहित्य में न आज तक कोई हुआ है और न होगा। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को सदैव रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों से निकालने का प्रयास किया। उन्हें ह्यहिन्दी साहित्य का माइलस्टोनह्न भी कहा जाता है। कम ही लोग यह जानते हैं कि जो मुंशी प्रेमचंद हिन्दी लेखन के लिए इतने विख्यात रहे हैं, उन्होंने अपने लेखन की शुरूआत उर्दू से की थी। अपना पहला साहित्यिक कार्य उन्होंने गोरखपुर से उर्दू में शुरू किया था और 1909 में कानपुर के ह्यजमाना प्रेसह्न से उर्दू में ही उनका पहला कहानी-संग्रह ह्यसोज ए वतनह्न प्रकाशित हुआ था, जिसकी सभी प्रतियां ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थी। उस समय में वे उर्दू में ह्यनबावरायह्न के नाम से लिखते थे। उनका लिखा कहानी संग्रह जब्त करने के बाद ह्यजमानाह्न के सम्पादक मुंशी दयानारायन ने उन्हें परामर्श दिया कि भविष्य में अंग्रेज सरकार की नाराजगी से बचने के लिए नवाब राय के बजाय वे नए उपनाम ह्यप्रेमचंदह्न के नाम से लिखना शुरू करें। इस प्रकार वे नवाब राय से प्रेमचंद बन गए। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लमही गांव के डाक मुंशी अजायबलाल के घर 31 जुलाई 1880 को जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव उर्फ मुंशी प्रेमचंद की आज हम 145वीं जयंती मना रहे हैं। प्रेमचंद वकील बनना चाहते थे लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उनका वह सपना पूरा नहीं हो सका। मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी। उनकी दूसरी पत्नी शिवरानी ने ही बाद में उनकी जीवनी लिखी थी। अपने जीवन के आखिरी दिनों में प्रेमचंद जलोदर नामक बीमारी से ग्रसित हो गए थे और 8 अक्तूबर 1936 को दुनिया से अलविदा हो गए।

आज का राशिफल

मेष जातकों के लिए दिन प्रतिस्पर्धात्मक रहने वाला है। अटके हुए काम पूरे होने से मन में संतोष रहेगा।

तुला कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत करने की कला आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

वृषभ दिन पारिवारिक सुख लेकर आएगा। घर का माहौल अच्छा रहने से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुका हुआ पैसा या प्रोजेक्ट पूरा होने से संतोष मिलेगा।

मिथुन भगवान की कृपा से व्यापार में अचानक बड़ा लाभ या नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है।

धनु आज खर्च घरेलू सुविधाओं पर बढ़ सकता है, जिससे बजट बिगड़ सकता है।

कर्क आज जातकों के लोगों के लिए ग्रहों की स्थिति बहुत फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी इज्जत बढ़ेगी।

मकर आज कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने से उत्साह बढ़ेगा। व्यवसाय में लाभ होगा।

सिंह आज दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे और परोपकारी कार्यों में खर्च कर सकते हैं।

कुंभ संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

कन्या बुजुर्गों की सेवा करने से पुण्य मिलेगा। व्यवसाय में आप नए विचारों को साकार करने में सफल होंगे।

मीन आज दिन सुखद रहेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बन रही है।

विशेष

योगी की जगह लेंगे धामी बाबा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस समय भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े पोस्टर बॉय बने हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का केंद्रीय हाईकमान, मुख्यमंत्री धामी को हिंदुत्व के नए हीरो के रूप में पेश कर रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पीछे छोड़ दिया है। धामी के कामकाज से भाजपा हाईकमान और संघ दोनों ही प्रसन्न हैं। संघ किसी एक व्यक्ति के ऊपर आश्रित नहीं होता है योगी के मुकाबले में धामी को खड़ा कर दिया है। अब देखना है, योगी बाबा पर इसकी क्या प्रतिक्रिया होती है। हीरो तो एक ही होता है। अभी तक योगी बाबा थे,अब धामी बाबा भी सामने आ गए हैं।

नहीं बढ़ रही है अर्थव्यवस्था

रिजर्व बैंक ने ब्याज की दरों को लगभग एक फीसदी घटा दिया है। इसके बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। आसान शर्तों पर कर्ज दिया जा रहा है। उसके बाद भी बैंकों और एनएफसी कंपनियों से कर्ज लेने में लोग डरने लगे हैं। रिजर्व बैंक का पुराना फॉर्मूला अब काम नहीं आ रहा है। कर्ज की वसूली मे बैंक और एनएफसी कंपनियां लोगों का जीना हराम कर देती हैं। बाउंसर भेजकर कर्ज की वसूली करती हैं। पुराने साहूकारों से ज्यादा आम जनता बैंकों और एनएफसी कंपनियों से डरने लगी है। लोगों के पास पैसे ही नहीं है। एनपीए होने के कारण बैंक से सस्ता कर्ज नहीं मिलता है। कर्ज मिलता है, तो 24 से 36 परसेंट ब्याज वसूला जाता है। रिजर्व बैंक को सावन के अंधे की तरह अभी भी हरा-हरा ही दिख रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1789: आस्ट्रिया और रूस की फौजों ने तुर्की को पराजित किया. 1803: स्वीडिश अविष्कारक जॉन एरिक्सन का जन्म हुआ. 1812: स्पेनी फौजों ने वेनेजुएला पर कब्जा किया. 1919: जर्मनी में नया संविधान लागू किया गया. 1933: गांधीजी ने साबरमती आश्रम छोड़ दिया. 1948: कोलकाता में राज्य परिवहन निगम कार्यालय की स्थापना हुई. 1956: ब्रिटेन और पश्चिम जर्मनी के बीच परमाणु क्षेत्र में 10 वर्षीय सहयोग समझौता हुआ. 1964: अमरीकी अंतरिक्ष यान रेंजर -7 से चांद से संदेश भेजना शुरू किया. 1971: अमरीकी अपोलो-15 के अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद पर विद्युत कार से छह घंटे से अधिक यात्रा की. 1988: मलेशिया में दुर्घटना में 20 व्यक्ति मारे गए और 370 लोग घायल हुए. 2003 राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अयोध्या के शीर्ष संत परमहंस रामचंद्र दास का 92 वर्ष की आयु में निधन.

दैनिक पंचांग

2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.47 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	08.59 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.10 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.24 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.40 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.45 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.32 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.05 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.35 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	00.15 बजे से
		मिथुन	02.13 बजे से
		कर्क	04.27 बजे से

2025 वर्ष का 212 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि सप्तमी 04.59 बजे प्रातः को समाप्त। नक्षत्र चित्रा 00.42 बजे रात्र को समाप्त। योग साध्य 04.32 बजे प्रातः को समाप्त। करण गर 15.49 बजे तदनन्तर वणिज 04.59 बजे प्रातः को समाप्त। चन्द्रायु 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872422
जूलियन दिन 2460887.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 05
विशेष तुलसीदास जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11	बजे तक
रोग	07.22 से	08.51	बजे तक	चर	07.11 से	08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19	बजे तक	रोग	08.43 से	10.15	बजे तक
चर	10.19 से	11.47	बजे तक	काल	10.15 से	11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51	बजे तक
काल	02.43 से	04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है व्हाइट सॉस पास्ता? क्या कहता है आयुर्वेद

आजकल खान-पान में कई बदलाव होने लगे हैं। इंडियन कुजीन के साथ और भी कई तरह की कुजीन हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। पिज्जा, पास्ता और मोमो समेत कई चीजें आजकल लोगों को और खासकर बच्चों को बेहद पसंद आ रही हैं। व्हाइट सॉस पास्ता भी आजकल लोगों की फेवरेट डिश में से एक बन चुका है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की जिंदगी में शौक से खाते तो हैं लेकिन असल में ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

आयुर्वेद में खान-पान के तरीके और समय पर काफी जोर दिया जाता है। आज के समय में खान-पान की जिन चीजों का चलन बढ़ गया है, उनमें से कई ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें आयुर्वेद में सेहत के लिए नुकसानदेह बताया गया है। व्हाइट सॉस पास्ता इन्हीं में से एक है। यह क्यों आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और किस तरह आप इसे हेल्दी तरीके से खा सकती हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल लोग जब भी बाहर जाते हैं, तो अक्सर व्हाइट सॉस पास्त ऑर्डर करते हैं। घरों में भी इसे बनाने का चलन बढ़ गया है। लेकिन, आयुर्वेद के अनुसार, यह एक धीमा जहर है, जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है।

- आयुर्वेद का कहना है कि शरीर में टॉक्सिन्स जमा होना और स्किन से जुड़े डिसऑर्डर के पीछे सबसे बड़ी वजह विरुद्ध आहार होता है। विरुद्ध आहार यानी खाने की दो ऐसी चीजों को एक साथ मिलाकर खाना, जो प्रकृति में एक-दूसरे के विपरीत हैं और सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।
- जब आप व्हाइट सॉस बनाते हैं, तो इसमें दूध के साथ नमक मिलाते हैं, ये दोनों चीजें एक साथ लेना आयुर्वेद में सही नहीं बताया गया है।
- अगर आप लंबे समय तक इस कॉम्बिनेशन को खाते हैं, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं और अर्थराइटिस भी हो सकती है।
- अगर आप इसे खाना चाहते हैं, तो व्हाइट सॉस बनाते समय रेगुलर मिल्क की जगह प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे ओट मिल्क, कोकोनेट मिल्क और सोय मिल्क का इस्तेमाल करें। इससे सेहत को नुकसान नहीं होगा।

योगासन करने से पहले और बाद में इन बातों का रखें खास ख्याल, फिट रहने में मिलेगी मदद

योगासन करने से पहले और बाद में कुछ बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे फिट रहने में मदद मिल सकती है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि फिट रहने के लिए योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन का महत्व सिर्फ भारत ही नहीं, पूरे दुनिया समझ रही है। योगासन हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है। योगासन करने के अनेक फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं योग करने से पहले और बाद में कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। रोजाना योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, यह हमें योग और स्पिचुरल लीडर हिमालयन सिद्धा अक्षर ने बताया है। हिमालयन सिद्धा अक्षर, अक्शर योग केंद्र के फाउंडर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले और बाद में वार्म अप, कूल डाउन और न्यूट्रिशन जैसी चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले ठीक तरह से वार्म अप करना जरूरी माना जाता है। इस दौरान हल्के मूवमेंट करने चाहिए, जिससे ब्लड फ्लो और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है।

लाइट कार्डियो

योगासन करने से पहले 5-10 मिनट सैर करना, जगह पर ही खड़े रहकर जॉगिंग और जंपिंग जैक्स करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह हार्ट रेट को बढ़ाते हैं।

ज्वाइंट मूवमेंट

योगासन से पहले अपने हाथ, पैर, गर्दन और कंधों के ज्वाइंट्स को मूव करने की सलाह दी जाती है।

कैट-काउ स्ट्रेच

एक्सपर्ट के मुताबिक, पीठ की मूवमेंट के लिए पहले आर्च और राउंड बनाने की सलाह दी जाती है।

सूर्य नमस्कार

पूरे शरीर के वार्म अप के लिए पहले सूर्य नमस्कार के 2-3 राउंड करना फायदेमंद हो सकता है। सूर्य नमस्कार के अनेक फायदे होते हैं।

योगासन करने से पहले क्या खाना चाहिए?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले पोषण से भरपूर भोजन की सलाह दी जाती है, जिससे एनर्जी लेवल बना रहे और किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। योगासन से 2-3 घंटे पहले लाइट डाइट या 30 से 60 मिनट पहले कम मात्रा में स्नेक्स लेने चाहिए। रोजाना योगाभ्यास करने वालों को पूरे दिन हाइड्रेट रहने की सलाह दी जाती है। लेकिन योगासन करने से तुरंत पहले ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद क्या खाना है फायदेमंद?

- योगासन से पहले मुट्ठीभर नट्स और एक केला खाना फायदेमंद हो सकता है।
- एल्मन्ड बटर के साथ सेब को काटकर भी खाया जा सकता है।
- बेरिज के साथ ग्रीक योगर्ट का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।
- योगासन करने के 30-60 मिनट में खाना खा लेना चाहिए, इससे शरीर को रिकवर करने में आसानी होती है।
- योगासन के बाद शरीर को हाइड्रेट करना जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान खूब सारे फ्लूयड्स शरीर से निकल जाते हैं। योगासन के बाद नारियल पानी का सेवन करना फायदेमंद माना गया है।
- योगासन करने के बाद प्रोटीन पाउडर, फल और पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी का सेवन कर सकते हैं। नट्स के साथ ओटमील, सीड्स और फ्रेश फ्रूट्स का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

योगासन से पहले क्या ना खाएं?

योगासन से पहले भारी और ज्यादा तला-भुना खाने से बचना चाहिए। योगासन से पहले मसालेदार खाने का सेवन नहीं करने की सलाह दी गई है। भारी मात्रा में भी कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद किन बातों का रखें ध्यान?

योगासन के बाद कूल डाउन होने की जरूरत होती है, इससे फिट रहने में मदद मिलती है।

शवासन

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन के बाद 5 से 10 मिनट शवासन करना चाहिए, इससे आपके शरीर को आराम तो मिलेगा।

आसान स्ट्रेचिंग

योगासन करने के बाद शरीर के जिन जगहों पर दर्द का अहसास हो रहा है, उसके लिए 30 से 60 सेकेंड स्ट्रेच करें।

डीप ब्रीथिंग

योगासन करने के बाद धीरे और डीप ब्रीथिंग करने की सलाह दी जाती है, इससे नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है।

मेडिटेशन

योगासन के बाद थोड़ी देर का मेडिटेशन भी आपके दिमाग और शरीर को रिलेक्स करने में मदद कर सकता है। मेडिटेशन के अनेक फायदे होते हैं।

सीने में जमा बलगम निकाल देगा घर पर बना यह टॉनिक

आपने अक्सर घर के बड़े-बुजुर्गों में सर्दी-खांसी, जुकाम, हल्के बुखार, बदन दर्द या पेट दर्द जैसी चीजों को ठीक करने के लिए देसी नुस्खे आजमाते देखा होगा। असल में हमारे किचन में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं, जिनके गुणों और इस्तेमाल करने के सही तरीके के बारे में अगर हमें जानकारी हो तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। लेकिन, इनके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लेना भी जरूरी है।

सीने में जमे कफ को बाहर निकालने में भी कई देसी नुस्खे कारगर हैं। अगर आपके सीने में कफ जमा हुआ है, इसकी वजह से आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, खांसी बहुत है, तो घर पर इस आयुर्वेदिक टॉनिक को बनाएं। आपको आराम मिलेगा। इसे घर में मौजूद औषधीय गुणों से भरपूर कई चीजों की मदद से बनाया जाता है।

सीने में जमे बलगम को निकाल देगा यह देसी टॉनिक

- अजवाइन में मौजूद थाइमोल होता है। यह एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इससे सर्दी-जुकाम में आराम मिलता है।
- अजवाइन में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, शरीर को अंदर से मजबूती देती है और इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है।
- इससे सीने की जकड़न दूर होती है और सीने में जमा कफ बाहर निकलने में मदद मिलती है।
- गुड़ एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इसकी तासीर गर्म होती है।
- सौंठ यानी अदरक पाउडर के साथ इसे लेने से गले की खराश और दर्द दूर होता है।
- गुड़, काली मिर्च, इलायची और सौंठ का यह काढ़ा, मौसमी सर्दी-जुकाम से बचाता है और कफ को भी कम करता है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह सर्दी-जुकाम और खांसी को कम करती है।

सर्दी-खांसी और कफ के लिए बनाएं यह टॉनिक

सामग्री

- पानी- 1 कप
- गुड़- 1 टेबलस्पून
- हरी इलायची- आधा टीस्पून
- अजवाइन- 1 टीस्पून
- काली मिर्च- आधा टीस्पून
- सौंठ- आधा टीस्पून
- तुलसी के बीज- 4-5
- लौंग- 2

विधि

- पानी को उबलने दें।
- अब इसमें गुड़ मिलाएं और इसे पिघलने दें।
- अब इसमें बाकी सारी चीजें मिला दें।
- इसे धीमी आंच पर पकाएं।
- इसे ठंडा होने पर एक कांच के डिब्बे में बंद करके रख लें।
- इसे लगभग आधा चम्मच सुबह-शाम शहद या गुनगुने पानी के साथ लें।

हाई बीपी की है शिकायत तो नाश्ते में भूल से भी ना खाएं ये चार चीजें

अगर आपको हाई बीपी की शिकायत है तो ऐसे में आपको अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। ऐसे कई फूड्स हैं, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में खाने से बचना चाहिए।

नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसलिए इसका सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। यही कारण है कि आपको अपने नाश्ते का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन जब आप नाश्ता बनाते हैं तो आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर फोकस करना चाहिए। मसलन, अगर आपको हाई बीपी है तो आपको नाश्ते में कुछ फूड आइटम्स को अवॉयड करना चाहिए। आहार आपके बीपी पर बहुत प्रभाव डाल सकता है। अगर आप सोच-समझकर अपना नाश्ता नहीं बनाते हैं तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और आपको परेशान कर सकता है। हाइपरटेंशन समय के साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, आपको अपने खान-पान को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

हाई सोडियम सेरल्स

अधिकतर लोग नाश्ते में सेरल्स खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आपको बीपी की शिकायत है तो आपको नाश्ते में हाई सोडियम सेरल्स खाने से बचना चाहिए। आजकल मार्केट में रेडी-टू-ईट सेरल्स मिलते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त नमक या फ्लेवरिंग को मिक्स किया जाता है। सोडियम की अधिकता की वजह से इन सेरल्स का सेवन बीपी के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, अगर आपको सेरल्स खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में आप कम सोडियम या अनस्वीटन सेरल्स का चयन करें।

फाइड फूड्स

हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में डीप फ्राइड आइटम्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए। फ्राइड फूड्स में अनहेल्दी फैट्स कंटेंट काफी अधिक होता है, इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ता है। अधिक वजन ब्लड प्रेशर की शिकायत को बढ़ा सकता है।

व्हाइट ब्रेड और पेस्ट्री

हाई बीपी के मरीजों के लिए रिफाइंड आटे से बनी आइटम्स जैसे व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री और अन्य बेक्ड सामान का सेवन करने से बचना चाहिए। इस तरह की फूड आइटम्स ब्लड शुगर लेवल में स्पाइक का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। जिससे भी आपके ब्लड प्रेशर की समस्या बद से बदतर हो सकती है।

हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स

नाश्ते में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना बेहद आम है। अमूमन लोग नाश्ते में दूध व दही आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आपको बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे फुल फैट मिल्क, फुल फैट चीज आदि से बचना चाहिए। इन तरह के प्रोडक्ट्स में सैचुरेटिड फैट अधिक पाया जाता है। इसलिए, इनके सेवन से ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है और ऐसे में आपको हाई बीपी की शिकायत हो सकती है। अगर आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह स्किम्ड मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए।

टाटा ट्रस्ट्स का ऐलान: एसपी ग्रुप से निपटारा होगा, टाटा सन्स लिस्ट नहीं होगी

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स की सोमवार को एक लंबी और गहन चर्चाओं वाली बैठक हुई। इसमें सभी ट्रस्टियों ने भाग लिया। इस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स ने दो बहुत अहम फैसले किए। पहला, टाटा सन्स, जो पूरे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है, को अनलिस्टेड प्राइवेट कंपनी ही बने रहना चाहिए। दूसरा, अल्पसंख्यक शेयरधारक शापूरजी पल्लोनजी (एसपी) ग्रुप से बातचीत शुरू करके उन्हें टाटा सन्स से बाहर निकलने का रास्ता दिया जाए।

टाटा सन्स अनलिस्टेड ही रहेगा– सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड ने एक प्रस्ताव पारित किया है। इसके मुताबिक, टाटा सन्स के चेयरमैन (एन. चंद्रशेखरन) से कहा गया है कि वे हर संभव कोशिश करें ताकि टाटा सन्स अपनी वर्तमान स्थिति (एक अनलिस्टेड प्राइवेट कंपनी) न बदले। साथ ही, इस मामले में उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक से पूरी तरह बातचीत करनी होगी।

एसपी ग्रुप को एक्जिट का प्रस्ताव– बैठक में यह भी तय हुआ कि टाटा सन्स के चेयरमैन से कहा जाए कि वे अल्पसंख्यक शेयरधारकों, यानी एसपी ग्रुप, से बात करके उन्हें टाटा सन्स से बाहर निकलने का विकल्प दें। चेयरमैन को इन मामलों पर एसआरटीटी को भी लगातार अपडेट देते रहना होगा। एसपी ग्रुप के पास टाटा सन्स में 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सोने-चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

- गोल्ड 603 और सिल्वर 1655 रुपये टूटा

नईदिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के भाव में आज बड़ी गिरावट है। सोने के भाव में आज 603 रुपये प्रति 10 ग्राम टूटकर 98414 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, चांदी के रेट में 1655 रुपये प्रति किलो की गिरावट है। चांदी अब 111745 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। जीएसटी के साथ सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट गोल्ड जहां 101366 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 115097 रुपये किलो बिक रही है। बुधवार को चांदी बिना जीएसटी 113400 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। जबकि, सोना 99017 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोना 100533 रुपये के ऑल टाइम हाई से फिसलकर 98414 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस अवधि में सोना 2119 रुपये सस्ता हुआ है। जबकि, चांदी में 4105 रुपये प्रति किलो की गिरावट आई है। चांदी ने 23 जुलाई 2025 को 115850 रुपये प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था।

23 कैरेट गोल्ड का भाव

आज 23 कैरेट गोल्ड भी 600 रुपये सस्ता होकर 98020 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 100960 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है।

- **22 कैरेट गोल्ड की कीमत–** 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 553 रुपये टूटकर 90147 रुपये प्रति 10 ग्राम आ गई है। जीएसटी संग यह 92851 रुपये है।
- **18 कैरेट गोल्ड की कीमत–** आज 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 452 रुपये गिरकर 73811 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली और जीएसटी के साथ यह 76025 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं 14 कैरेट गोल्ड अब जीएसटी समेत 59319 रुपये पर आ गया है।
- **जुलाई में कितना चढ़ा भाव–** जुलाई में चांदी की रफ्तार सोने के मुकाबले काफी तेज रही। इस अवधि के सोना जहां 2528 रुपये प्रति 10 ग्राम उछला तो चांदी के रेट में उछाल 7890 रुपये की रही। आईबीजेए रेट के मुताबिक 30 जून को सोना 95886 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से बंद हुआ था। जबकि, चांदी 105510 रुपये प्रति किलो के रेट से बिकी। इसमें जीएसटी नहीं जुड़ा है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

एलपीजी सिलेंडर के रेट आज होंगे अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। 1 अगस्त से होने वाले तमाम बदलावों में एक बदलाव एलपीजी सिलेंडर के दाम में भी हो सकता है। हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर के रेट अपडेट होते हैं और अक्सर कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटते या बढ़ते हैं। घरेलू सिलेंडर के रेट से ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जाती। इंडियन ऑयल के डेटा इसक बात की गवाही भी दे रहे हैं। क्योंकि, इस साल अप्रैल से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हर महीने बदलाव होता रहा। इस बार भी घरेलू सिलेंडर के रेट में बदलाव मुश्किल नजर आ रहा है।

- **आखिरी बार कब बदली थी घरेलू एलपीजी सिलेंडर की प्राइस–** आखिरी बार 8 अप्रैल 2025 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये का इजाफा हुआ था और यह दिल्ली में 853 रुपये का हो गया। तब से इसी रेट पर सिलेंडर मिल रहा है। इससे पहले 30 अगस्त 2023 को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों 200 रुपये की कटौती की गई थी।
- **300 रुपये सस्ता हो गया सिलेंडर–** 1 मार्च 2023 से ही घरेलू एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 1103 रुपये में मिल रहे थे और एक झटके में 903 रुपये पर आ गए। 30 अगस्त 2023 के बाद एक बार फिर 9 मार्च 2024 को 100 रुपये की बड़ी राहत मिली और सिलेंडर की कीमत 803 रुपये रह गई। यानी करीब दो साल से कुछ अधिक समय में एलपीजी सिलेंडर के दाम 300

रुपये घटे और 50 रुपये बढ़े। यानी कुल 250 रुपये की राहत मिली।

- **1 अगस्त, 2014 को कितना था सिलेंडर का दाम–** 1 अगस्त, 2014 को दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 920 रुपये का था। कोलकाता में यह 964.5, मुंबई में 947 और चेन्नई में 922 रुपये का मिल रहा था। अगले साल 1 अगस्त, 2015 तक आते-आते एलपीजी की कीमतों में भारी कटौती हो गई और दिल्ली में यह 585 रुपये कोलकाता में 619, मुंबई में 599 और चेन्नई में 603.5 रुपये का रह गया।

नौकरी छोड़ इस शख्स ने किया कुछ ऐसा कि दुबई के लोग भी हुए दीवाने

सालाना करोड़ों रुपये की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या सब्जी बेचकर करोड़ों रुपये कमाए जा सकते हैं हां, बिल्कुल। ऐसा कर दिखाया है केरल के रहने वाले बिजेश पीके ने। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर सब्जी उगाने और उन्हें बेचने का काम शुरू किया। इससे उन्हें शानदार कमाई हुई। कुछ ही समय में उनकी कमाई करोड़ों रुपये में होने लगी। वह दुबई को अपनी सब्जी सप्लाई करते हैं।

कैसे हुई शुरुआत– करीब एक दशक पहले की बात है। बिजेश दुबई गए थे। वहां ओणम फेस्टिवल के दौरान उन्हें दावत के लिए ताजे केले तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। उस दौरान वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे। केले के पत्तों की मशक्कत के दौरान उनके दिमाग में आइडिया आया कि अगर यहां रहने वाले भारतीयों को भी भारत की तरह आसानी से केले के पत्ते मिलने लगे तो कितना अच्छा होगा। बस, यहीं ये

उने दिमाग में कारोबार का कीड़ा पैदा हो गया।

इस विचार से प्रेरित होकर 47 साल के बिजेश ने अपनी नौकरी छोड़ी और अपने गृहनगर त्रिशुर लौट आए। यहां उन्होंने जरूरी लाइसेंस लिए 35 परिवारों द्वारा उगाई गईं 160 किलो सब्जियों का निर्यात करके अपने कारोबार को शुरू किया। आज उनकी कंपनी नेचर बीट्स ऑर्गेनिक दुबई में 1000 से अधिक फैमिली को जैविक सब्जियां उपलब्ध कराती है। यही नहीं, उनकी अल कुसैस में एक रिटेल शॉप भी है।

केले से कारोबार से शुरुआत

बिजेश बताते हैं कि उन्होंने दुबई से भारत आकर सबसे पहले दुबई में केले का निर्यात किया था। हालांकि यह कारोबार बहुत ज्यादा समय तक नहीं चला क्योंकि पेमेंट से संबंधित समस्या शुरू हो गई थी। साथ ही खास मुनाफा भी नहीं हुआ था। इसके बाद उन्होंने दुबई में जैविक सब्जियां बेचना शुरू किया। शुरुआत में जैविक सब्जियों को ढूंढना काफी मुश्किल था। बिजेश बताते हैं कि उन्होंने 35 फैमिली से शुरुआत की थी। उस समय में उन्होंने 160 किलो सब्जियों को 1-1 किलो के पैकेट में भेजा था। इस काम में दुबई में स्थित उनके भाई प्रवीण ने भरपूर मदद की।

बढ़ गया कारोबार

बिजेश बताते हैं कि जब दुबई में लोगों को जैविक सब्जियों के बारे में पता चला तो उनके ग्राहकों की संख्या बढ़ गई। 35 फैमिली से शुरू हुआ उनका यह सफर 1000 परिवार तक पहुंच गया। निर्यात शुरू करने के दो साल बाद बिजेश ने जैविक खेती शुरू करने का प्लान किया। उन्होंने त्रिशुर में 1.5 एकड़ जमीन पट्टे पर ली। अब दोनों 8 एकड़ जमीन में जैविक सब्जियां उगाते हैं। वह खेती के दौरान जैविक खाद का इस्तेमाल करते हैं।

कितना हो रही कमाई

बिजेश बताते हैं कि अब वह सब्जियों के साथ फल भी दुबई भेजते हैं। वह हर हफ्ते 2500 से 3000 किलो फल-सब्जियां दुबई भेजते हैं। वह केरल से दुबई 24 घंटे में ताजा माल भेज देते हैं। बिजेश बताते हैं उनकी फल और सब्जियां फ्लाइट के जरिए दुबई भेजी जाती हैं। पिछले साल बिजेश की कंपनी नेचर बीट्स की कुल इनकम करीब 2 करोड़ रुपये थी।

एनएसई को 6415 प्रतिशत का छप्परफाड़ फायदा

- एनएसडीएलपर लगाए 59 करोड़ अब बन गए 3840 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड में शुरुआत में जो पैसे लगाए थे, उस पर एक्सचेंज बंपर मुनाफे पर हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एनएसडीएलमें किए गए अपने शुरुआती निवेश पर 6415 पर्सेंट के छप्परफाड़ फायदे पर है। एनएसडीएलमें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के लगाए गए 59

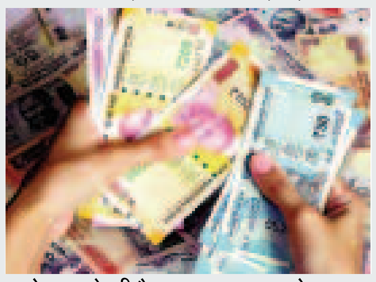

करोड़ रुपये की वैल्यू अब 3840 करोड़ रुपये पहुंच गई है। एनएसडीएलकरीब 4012 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई है। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए बुधवार 30 जुलाई को खुला है। आईपीओ से कंपनी के लंबी अवधि वाले निवेशकों के लिए शानदार वैल्यू अनलॉक होने की उम्मीद है। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

12.28 रुपये प्रति शेयर के दाम पर खरीदे थे 4.8 करोड़ शेयर– नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एनएसडीएल के शुरुआती निवेशकों में है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड में 24 पर्सेंट हिस्सेदारी ली है।

खुलने से पहले ही 150 प्रीमियम पर पहुंचा यह आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। अगस्त महीने में बैक टू बैक कई कंपनियों के इश्यू निवेश के लिए ओपन होंगे। इनमें से एक फ्लाईएसबीएस एविएशन का आईपीओ भी है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए कल, शुक्रवार 1 अगस्त से निवेश के लिए ओपन होगा। निवेशक इस एसएमई इश्यू में 5 अगस्त तक पैसे लगा सकेंगे। इसके लिए प्राइस बैंड 225 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी का आईपीओ ग्रे मार्केट में 150 प्रीमियम पर उपलब्ध है। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस 225 रुपये के मुकाबले करीबन 67 प्रतिशत चढ़कर 375 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी के शेयर एनएसई पर लिस्ट होंगे।

कंपनी का कारोबार– अगस्त 2020 में स्थापित, चेन्नई स्थित फ्लाईएसबीएस एविएशन, एक भारतीय विमानन कंपनी है जो निजी जेट सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है। यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर एयर चार्टरिंग सेवाएँ प्रदान करती है।

क्या है डिटेल

इस आईपीओ के लिए लॉट साइज न्यूनतम 600 इक्विटी शेयरों और उसके बाद उसके गुणकों का निर्धारित किया गया है। फ्लाईएसबीएस एविएशन आईपीओ के जरिए कुल 102.53 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, जो पूरी तरह से 45,57,000 इक्विटी शेयरों की नई बिक्री है। इस आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल 6 नए विमानों के अधिग्रहण, कर्ज चुकौती और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए पूंजीगत व्यय के फाइनेंस के लिए किया जाएगा।

अमेरिका में दवाओं के दाम बढ़ने का खतरा

भारतीय उत्पादों पर ट्रंप के नए टैरिफ से चिंता

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि 1 अगस्त से भारत से आने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगेगा। साथ ही, रूस से सैन्य सामान और तेल खरीदने पर भी भारत पर जुर्माना होगा। यह कदम भारत पर दबाव बनाने की रणनीति मानी जा रही है।

इस फैसले पर भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। परिषद के चेयरमैन नमित जोशी ने स्पष्ट चेतावनी जारी की, यह कदम अमेरिका में जरूरी दवाओं की कीमतें बढ़ा देगा। आखिरकार,

इसका नुकसान अमेरिकी मरीजों और वहां की स्वास्थ्य प्रणाली को उठाना पड़ेगा।

भारत पर क्यों है इतनी निर्भरता– जोशी ने बताया कि अमेरिका दवाओं के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर है। भारत दुनिया को सस्ती और बेहतर गुणवत्ता वाली दवाएं पहुंचाने वाला अहम केंद्र है। खासकर जेनेरिक दवाओं के मामले में तो भारत अमेरिका की कुल जरूरत का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। भारतीय कंपनियां कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों, संक्रामक रोगों और पुरानी बीमारियों की जीवनरक्षक दवाएं किफायती दामों पर मुहैया कराती हैं।

- **तुरंत असर-दवाओं की कीमत चढ़ेगी–** जोशी के मुताबिक, इस शुल्क का सबसे पहला असर यह होगा कि अमेरिका पहुंचने वाली भारतीय दवाओं और उनके कच्चे माल (एपीआई) की कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे वहां दवाएं महंगी हो सकती हैं।
- **लंबे समय का खतरा–** हालांकि, जोशी ने लंबे समय तक खतरे की ओर भी इशारा किया कि अमेरिका सस्ती जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे माल के लिए भारी मात्रा में भारत पर निर्भर है। भारत जैसा सस्ता, बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाला और गुणवत्ता वाला विकल्प ढूंढना अमेरिका के लिए बेहद मुश्किल है। अगर दवा बनाने का काम किसी और देश में या अमेरिका के अंदर शिफ्ट करने की कोशिश भी की जाए, तो इसमें कम से कम 3 से 5 साल लग सकते हैं।
- **फार्मेक्सिल की अपील–** जोशी ने कहा कि फार्मेक्सिल भारतीय दवा निर्यातकों और वैश्विक स्वास्थ्य के हितों की रक्षा के लिए काम कर रहा है। वे अमेरिकी नीति निर्माताओं के साथ बातचीत कर यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि सस्ती दवाओं तक पहुंच कितनी जरूरी है और इस मांग को पूरा करने में भारतीय कंपनियों की भूमिका अहम है।

6400 रुपये के पार जा सकता है राधाकिशन दमानी का शेयर

करीब 50 प्रतिशत की आ सकती है तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी के मालिकाना हक वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल सकती है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने एवेन्यू सुपरमार्ट्स की रेटिंग को अपग्रेड करके हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म कर दिया है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड, हाइपरमार्केट चेन डीमार्ट चलाती है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर बुधवार को 4285.15 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी के साथ 4334.60 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

सीएलएसए ने कहा, 6408 रुपये तक जा सकते हैं कंपनी के शेयर– विदेशी ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 6408 रुपये कर दिया है। यानी, राधाकिशन दमानी की इस कंपनी के शेयर मौजूदा लेवल से करीब 50 पर्सेंट उछल सकते हैं। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर फिलहाल अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल 5484 रुपये से 22 पर्सेंट टूट चुके हैं। सीएलएसए ने अपने एक नोट में लिखा है कि सेल्स ग्रोथ को रफ्तार देने के लिए कंपनी ने स्टोर जोड़ने पर फोकस बढ़ाया है। कंपनी अपने विस्तार में तेजी लाने की तैयारी में है।

5 साल में 110 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर

दमानी की कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 110 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 31 जुलाई 2020 को 2063.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 31 जुलाई 2025 को बीएसई में 4334.60 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। अगर पिछले एक साल की बात करें तो कंपनी के शेयरों में करीब 12 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। पिछले छह महीने में कंपनी के शेयर 18 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 5484 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 3337.10 रुपये है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स का आईपीओ 8 मार्च 2017 को खुला था। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 299 रुपये था।

इफको के नए एमडी बने केजे पटेल, यूएस अवस्थी हुए रिटायर दिलीप संघाणी ने किया ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व की नंबर वन सहकारी उर्वरक संगठन इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव (इफको) ने अपने तकनीकी निदेशक केजे पटेल को संगठन का नया प्रबंध निदेशक (एमडी) बनाया है। इफको के 32 साल एमडी और सीईओ रहे उदय शंकर अवस्थी उर्फ यूएस अवस्थी 31 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं। इफको मुख्यालय में संगठन के चेयरमैन दिलीप संघाणी ने केजे पटेल को एमडी बनाने की घोषणा की। केजे पटेल ने गुजरात में राजकोट स्थित सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। पटेल ने इफको में तकनीकी निदेशक पद बनने से पहले संगठन के कलोल और पारादीप यूनिट में लंबे समय तक काम किया है।

रिटायर हो रहे एमडी यूएस अवस्थी केमिकल इंजीनियर थे, जबकि नए एमडी केजे पटेल एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं। उन्हें नाइट्रोजन और फॉस्फेटिक फर्टिलाइजर प्लांट के रखरखाव का 32 वर्षों का लंबा अनुभव है और इन मसलों पर वो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में रिसर्च आर्टिकल भी लिखते रहते हैं। केजे पटेल इफको के पारादीप प्लांट के प्रमुख भी रहे हैं जो देश में कम्प्लेक्स फर्टिलाइजर का सबसे बड़ा प्लांट है।

इफको के चेयरमैन दिलीप संघाणी ने संगठन के दिल्ली मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में केजे पटेल को एमडी बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि इफको बोर्ड को भरोसा है कि पटेल आने वाले समय में इनोवेशन और वैल्यू क्रिएशन के नए युग की शुरुआत करेंगे। संघाणी ने कहा कि पटेल किसानों और सहकारी संगठनों की भलाई के लिए इफको के काम को आगे बढ़ाएंगे।

शेल्टन ने टोरंटो ओपन में मन्नारिनो को हराया, हार्डकोर्ट पर रुबलेव की 250वीं जीत

टोरंटो, एजेंसी। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के अपने पहले मैच में एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी 25वीं जीत दर्ज की। 22 वर्षीय बेन शेल्टन फिलहाल पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर हैं। वह पिछले 10 में से 8 मुकाबले जीत चुके हैं। चौथे वरीय अमेरिकी खिलाड़ी ने एटीपी स्टैट्स के अनुसार अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत (28 में से 31) अंक जीते और जिन दो ब्रेक प्वॉइंट्स का सामना किया, उन्हें भी बचा लिया। इसके साथ ही उन्होंने फ्रेंच खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी स्तर पर तीसरे आमने-सामने के मुकाबले में पहली जीत हासिल की। शेल्टन ने मैच के बाद कहा, आखिरी गेम में थोड़ा तनाव जरूर था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अंत तक संयमित रहा और ब्रेक प्वॉइंट पर भी सर्व करते हुए मैच को खत्म कर पाया। अब शेल्टन का अगला मुकाबला 25वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से होगा, जिन्होंने हमवतन खिलाड़ी एथन क्विन को 7-6(6), 6-4 से हराया। टोरंटो में इस फोर्टनाइट के दौरान शेल्टन अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की कोशिश में हैं। एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में फिलहाल नौवें स्थान पर हैं। इस साल वह निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराने की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले, आंद्रे रुबलेव ने ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराकर हार्ड कोर्ट पर अपने करियर की 250वीं जीत दर्ज की। 27 वर्षीय रुबलेव ने गैस्टन के खिलाफ 19 विनर्स और 17 अनफोर्स्ड एरर्स के साथ मुकाबला समाप्त किया और तीसरे दौर में प्रवेश किया। छठे वरीय रुबलेव ने पिछले साल इसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में फाइनल तक का सफर तय किया, जहां उन्हें एलेक्सी पोपिरिन से हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में दोहा ओपन चैंपियन रुबलेव अब 28वें वरीय लोरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे।

ओलिंपिक 2028 से बाहर हो सकते हैं पाकिस्तान-न्यूजीलैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार जगह मिली थी। इससे पहले इसे 2010 और 2014 में शामिल किया था। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है।2023 में खेले गए एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार जगह मिली थी। इससे पहले इसे 2010 और 2014 में शामिल किया था। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है। लॉस एंजिल्स ओलिंपिक 2028 में पूर्व टी-20 वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की पुरुष टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली है।128 साल बाद 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जिसमें मेंस और विमेंस टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी। इसमें 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी।एशिया, ओशिनिया, यूरोप और अफ्रीका से टॉप-टॉप टीमें होंगी क्वालिफाई ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ओलिंपिक के लिए क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत एशिया, ओशिनिया, यूरोप, और अफ्रीका की टॉप रैंक वाली टीमें क्वालिफाई करेंगी।

राहुल को मिलेगी कप्तानी, 25 करोड़ रुपये भी मिलेंगे

भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच आई चौंकाने वाली खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल का बल्ला इंग्लैंड में जमकर रन उगल रहा है वो सीरीज में दो शतक लगा चुके हैं और इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जो सच में चौंकाने वाली है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केएल राहुल आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की जगह कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल सकते हैं. ऐसा बताया जा रहा है कि केकेआर की टीम उन्हें हर हाल में ट्रेड के जरिए अपने स्क्वाड में चाहती है. केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने 13 पारियों में 539 रन बनाए थे. केएल राहुल को केकेआर इसलिए खरीदने के मूड में दिख रही है क्योंकि उसे एक कप्तान की जरूरत है. पिछले सीजन उसका नेतृत्व अजिंक्य रहाणे ने किया था, टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई और उसका प्रदर्शन खराब रहा लेकिन अब केकेआर बड़े बदलाव के मूड में है. इसलिए वो केएल राहुल को टीम में लाकर उसे कप्तान बनाना चाहती है. मीडिया रिपोर्ट्स तो यहां तक हैं कि केएल राहुल के लिए केकेआर 25 करोड़ रुपये तक खर्च करने को तैयार है.केएल राहुल सिर्फ अच्छे बल्लेबाज ही नहीं, वो कप्तान और विकेटकीपर की भूमिका भी निभा सकते हैं ऐसे में केकेआर उनके लिए इतनी बड़ी रकम देने को भी तैयार बताई जा रही है.केकेआर ने आईपीएल 2025 ऑक्शन से पहले अपने पैरों में कुल्हाड़ी मार ली थी. दरअसल उसने टीम को तीसरा आईपीएल जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को ही रिटेन नहीं किया नतीजा ये खिलाड़ी पंजाब किंग्स का कप्तान बन गया. अय्यर के जाने से केकेआर को बड़ा नुकसान हुआ. सबसे पहले उसका कप्तान बदला जिसके बाद टीम का खेलने का तरीका भी बदल गया. टीम 14 में से 5 ही मैच जीत पाई. अब आईपीएल 2026 से पहले उसने हेड कोच चंद्रकांत पंडित को भी हटा दिया है. कभी इस टीम की गेंदबाजी यूनिट को मजबूत बनाने वाले भरत अरुण भी लखनऊ का हाथ थाम चुके हैं. अब केकेआर किसी तरह केएल राहुल को टीम में लाकर अपनी टीम का बैलेंस बनाने की तैयारी में है. सवाल ये है कि क्या दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को रिलीज करेगी, फिलहाल इसका जवाब शायद ना ही होगा.

चहल ने इंग्लैंड में मचाया कहर, काउंटी चैंपियनशिप में डर्बीशायर के खिलाफ चटकाए 6 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की राह देख रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल ने काउंटी चैम्पियनशप में शानदार गेंदबाजी की. नॉर्थहैम्पटनशायर के लिए खेलते हुए उन्होंने डर्बीशायर के खिलाफ 5 विकेट हॉल किया. ब्लेयर टिकनर का विकेट लेकर उन्होंने पारी में अपना छठा विकेट हासिल किया. उन्होंने इस पारी में सबसे अधिक ओवर (33.2) भी डाले. नॉर्थम्प्टन में खेले जा रहे इस मैच में डर्बीशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. हैरी केम (17) के रूप में युजवेंद्र चहल ने अपना पहला विकेट लिया, उन्होंने केम को एलबीडबल्यू आउट किया. इसके बाद उन्होंने सलामी बल्लेबाज लुइस रीस (39) के रूप में ब ?ा विकेट चटकाया. लुइस कैच आउट हुए. चहल ने बेन एचिसन को आउट कर पारी में 5 विकेट हॉल किया. एचिसन 45 रन बना चुके थे, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे तब भारतीय स्पिनर ने उन्हें बोल्ड किया. पारी का आखिरी और अपना छठा विकेट चहल ने ब्लेयर टिकनर का लिया. चहल ने पारी में सबसे अधिक 33.2 ओवर डाले, इसमें उन्होंने 3.54 की इकॉनमी से 118 रन दिए. नॉर्थहैम्पटनशायर का इससे पिछला मैच मिडलसेक्स के साथ था, जिसमे चहल को एक भी विकेट नहीं मिला था.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अंडर-19 भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया

अंडर-19 के बीच 21 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इंग्लैंड दौरे पर भी मिली थी वैभव को जगह वैभव इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में टेस्ट सीरीज खेल चुके हैं और इंग्लैंड दौरे पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड में उन्होंने 5 वनडे मैचों में 355 रन बनाए, जिसमें एक शतक शामिल था। वैभव ने 52 गेंदों में शतक बनाकर रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था। 21 सितंबर को खेला जाएगा पहला वनडे इंडिया अंडर 19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के बीच पहला वनडे मैच रविवार (21 सितंबर) को खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा वनडे बुधवार (24 सितंबर) को होगा जबकि तीसरा वनडे मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा।

11334 करोड़ रुपये...काव्या की टीम का दिखेगा जलवा, मालामाल हुआ इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का दबदबा पूरी दुनिया में है. इस लीग में खेलने के लिए हर खिलाड़ी बेताब रहता है. दुनिया की सबसे महंगी इस लीग में हिस्सा लेने वाली टीमों का दायरा अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है. इन टीमों के ओनर अब दूसरे देशों के टी20 लीग में निवेश कर रहे हैं. इससे उन देशों के बोर्ड को भी करोड़ों की कमाई हो रही है. इसी कड़ी में इंग्लैंड की एक लीग में आईपीएल की चार टीमों के ओर ने निवेश किया है. इसकी जानकारी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने दी है. इस निवेश स ईसीबी को 11334 करोड़ रुपये की कमाई भी हुई है. इस दौरान काव्या मारन की टीम का इंग्लैंड में जलवा दिखाई देगा. इंग्लैंड की लीग 'द हंड्रेड' में आईपीएलके चार टीमों के ओनर ने निवेश किया है. इसकी जानकारी देते हुए ईसीबी ने बताया कि निवेश करने वालों में भारत की जीएमआर (दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर), सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड (सनराइजर्स हैदराबाद के ओनर), आरपीएसजी समूह (लखनऊ सुपर जायंट्स के ओनर) और रिलायंस समूह (मुंबई इंडियंस के ओनर) शामिल हैं.

ईसीबी ने बताया कि इससे उन्हें 975 मिलियन पाउंड (करीब 11 हजार 3 सौ 34 करोड़ रुपये) की कमाई हुई है. इंग्लैंड बोर्ड ने बताया कि दो और साझेदारों की बाद में औपचारिक रूप से पुष्टि हो जाएगी. इससे पहले मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के ओनर साउथ अफ्रीका की टी20 लीग की टीमों को खरीद चुके हैं. द हड्रेड लीग में इन सभी को अक्टूबर से संचालन का हक मिल जाएगा.

काव्या मारन ने इस टीम को खरीदा

इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की सन टीवी नेटवर्क ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स टीम को खरीद लिया है, उन्होंने 100 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है. इससे पहलेओनर ने साउथ अफ्रीका में खेली जाने वाली टी-20 में भी सनराइजर्स ईस्टर्न कैप की टीम को खरीदा था. इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स टीम के को-ओनर जीएमआर ग्रुप को द हंड्रेड की टीम सदर्न ब्रेव में 49 फीसदी हिस्सेदारी मिली है, वहीं मुंबई इंडियंस के ओनर मुकेश अंबानी की रिलायंस ग्रुप को ओवल इनविंसिबल्स टीम की 49 हिस्सेदारी मिलेगी, जिसको लेकर जल्द ही ऐलान किया जाएगा. द हंड्रेड लीग की शुरुआत 5 अगस्त से लॉर्ड्स के मैदान में होने जा रही है.

शौक ने ले ली जान! पाकिस्तान में 2 बार की ओलंपिक चैंपियन जर्मन खिलाड़ी की 18700 फीट से दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बता दें कि डाहलमीयर एक अनुभवी पर्वतारोही थीं। वह जून के अंत से उत्तरी पाकिस्तान क्षेत्र में थीं और पहले ही ग्रेट ट्रांगो टॉवर पर चढ़ चुकी थीं। उनके गिरने

वाले क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से मौसम काफी खराब चल रहा था, जिसमें बारिश, तेज हवाएं और घने बादल थे। बता दें कि पाकिस्तान के लैला पीक पर पर्वत चढ़ना सबसे मुश्किल माना जाता है। इसके टॉप पर अभी तक सिर्फ सात पर्वतारोहियों ने ही सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। वहीं डाहलमीयर के करियर की बात करें तो उन्होंने अपने दोनों गोल्ड मेडल साउथ कोरिया के प्योंगचांग में 2018 शीतकालीन ओलंपिक में जीते थे। उन्होंने स्प्रिंट और परस्यूट इवेंट में गोल्ड मेडल जीते थे, जबकि उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता था। जर्मन एथलीट ने मई 2019 में संन्यास की घोषणा कर दी थी। लौरा डाहलमीयर का जन्म 22 अगस्त 1993 को हुआ था। वह एक जर्मन बायएथलीट थीं। लौरा डाहलमीयर सबसे सफल बायएथलीट में से एक रही हैं।

नागपुर लौटीं विश्व महिला शतरंज चैंपियन दिव्या, परिवार और कोच को दिया जीत का श्रेय

नागपुर, एजेंसी। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतकर दिव्या ने इतिहास रच दिया है। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। खिताब जीतने के बाद दिव्या बुधवार रात अपने गृह नगर नागपुर लौटीं, जहां एयरपोर्ट पर उनके परिवार और प्रशंसकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 चैंपियन दिव्या देशमुख बुधवार को अपने गृह नगर नागपुर लौटीं। नागपुर लौटने पर उन्होंने अपनी बड़ी जीत का श्रेय अपने परिवार और पहले कोच राहुल जोशी को दिया। नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके परिवार के साथ-साथ प्रशंसक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। महाराष्ट्र शतरंज संघ के अध्यक्ष परिणय फुके भी इस मौके पर मौजूद रहे।

खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं दिव्या

19 वर्षीय दिव्या ने सोमवार को महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने जॉर्जिया के बटुमी शहर में खेले गए ऑल-इंडियन फाइनल में अनुभवि कोनेरू हम्पी को टाई-ब्रेकर मुकाबले में हराया।

मुझे यह स्नेह पाकर बहुत खुशी हुई

दिव्या देशमुख ने नागपुर पहुंचने पर कहा कि मुझे यह स्नेह पाकर बहुत खुशी हुई। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि इतनी भीड़ मेरा स्वागत करने के लिए यहां इक्ट्ठा हुई है। मैं बहुत खुश हूं।

कोच चाहते थे कि मैं ग्रैंड मास्टर बनूं

दिव्या देशमुख ने अपनी जीत का श्रेय अपनी बहन, परिवार के सदस्यों और अपने पहले कोच राहुल जोशी को दिया। उन्होंने कहा, मेरे पहले कोच चाहते थे कि मैं ग्रैंड मास्टर बनूं, मैं इस जीत का श्रेय उन्हें देती हूं।

दो अगस्त को सीएम फडणवीस और केंद्रीय मंत्री गडकरी करेंगे सम्मानित

किशोरावस्था की चैंपियन दिव्या ने कहा कि ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में भाग लेने से पहले वह कुछ दिन आराम करेंगी। दिव्या को दो अगस्त को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री व नागपुर सांसद नितिन गडकरी सम्मानित करेंगे।

दिव्या के परिवार के सदस्यों ने उपलब्धि की सराहना की

दिव्या देशमुख के परिवार के सदस्यों ने उनकी उपलब्धि की सराहना की और कहा कि उन्होंने परिवार, नागपुर, महाराष्ट्र और भारत को गौरवान्वित किया है। इस चैंपियन खिलाड़ी की चाची स्मिता देशमुख ने पत्रकारों से कहा, हम बहुत खुश हैं कि दिव्या ने हमारे परिवार, नागपुर और भारत को गौरवान्वित किया है। भारत ने इतने वर्षों बाद यह महिला शतरंज विश्व कप जीता है। हम भगवान को धन्यवाद देना चाहते हैं। उनके माता-पिता की इतने वर्षों की कड़ी मेहनत आखिरकार रंग लाई है। हमारी खुशी का ठिकाना नहीं है और हमारे खुशी के आंसू रुक नहीं रहे हैं। हम चाहते हैं कि दिव्या भविष्य में और अधिक सफलता प्राप्त करें और भारत को गौरवान्वित करें।

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशांची' का पोस्टर रिलीज

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया ने आज गुरुवार को अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म निशांची का धमाकेदार पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसे अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। पोस्टर को देख कर लगता है कि फिल्म में थ्रिलर, संस्पेंस, प्यार, इमोशंस सभी का मिश्रण देखने को मिलेगा। यह फिल्म बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आगामी क्राइम-ड्रामा फिल्म निशांची के मेकर्स ने आज गुरुवार को इस फिल्म का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रिलीज किया है। फिल्म के पोस्टर को देखकर कहा जा सकता है कि इसमें क्राइम और ड्रामा का देसी अंदाज देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन दे सकता है। पोस्टर में प्यार, बदला, टकराव, पछतावा सब कुछ एक साथ दिखाई दे रहा है और जारी हुए पोस्टर पर लिखा है कि दिल थामिए और जान बचाइए। यानी कि अनुराग कश्यप की ये फिल्म गैंग्स ऑफ वॉसेपुर की झलक दिखाती नजर आ रही है। निशांची फिल्म का पोस्टर रिलीज होते ही कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। मशहूर अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने लिखा कि धमाका है धमाका। वहीं लेखक-निर्माता आदित्य कृपलानी ने कहा कि आखिरकार पोस्टर आ ही गया। इसके अलावा अन्य यूजर्स ने लिखा कि अनुराग कश्यप धमाल मचाने वाले हैं, शानदार पोस्टर।

मेकअप और परफ्यूम मेरे लिए एक तरह से इमोशनल एक्सप्रेशन हैं: रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह ज्यादातर समय नेचुरल और हल्का मेकअप पसंद करती हैं, लेकिन जब वह किसी खास मौके पर जाती हैं, तो ग्लैम मेकअप करना पसंद करती हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस ने जब रश्मिका से पूछा, क्या वे बिना मेकअप रहना पसंद करती हैं या फिर फुल मेकअप लुक पसंद है? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ज्यादातर मैं क्लियर स्किन या फिर लिप और चीक्स पर टिंट लगाकर रहती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी स्किन क्लियर रहे। मेकअप मेरे लिए एक इमोशनल एक्सप्रेशन की तरह है, जैसे परफ्यूम है।

अभिनेत्री ने बताया कि वह नेचुरल और ग्लैम दोनों रहना पसंद करती हैं। सिकंदर फेम अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभी मुझे नेचुरल रहना अच्छा लगता है, तो कभी-कभी ग्लैमरस दिखना। मुझे लगता है कि दोनों ही रूपों की अपनी एक खूबसूरती है। अभिनेत्री अपने परफ्यूम के बारे में बात करते हुए कहती हैं, सच कहूं तो डियर डायरी की हर खुशबू मुझे मेरे एक अलग पहलू की तरह महसूस कराती है, लेकिन यह एक ऐसी खुशबू है जो मुझे मुश्किल दिनों में भी, पूरी तरह से और ईमानदारी से, अपने असली रूप में रहने की याद दिलाती है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने कहा कि उन्हें अपने परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी के अलावा भी कुछ खास तरह की खुशबुएं पसंद हैं। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से कुछ-कुछ फूलों जैसी खुशबू पसंद रही है जिसमें थोड़ा-सा वनीला और हल्की-सी ताजगी महसूस होती हो। मुझे वो खुशबुएं बहुत पसंद हैं जो आपके मन को गहराई से छू जाएं। रश्मिका मंदाना आखिरी बार एक्शन क्राइम ड्रामा फिल्म कुबेरा में नजर आई थीं, जिसे शेखर कम्मुला ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में उनके साथ नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, जिम सरभ और दिलीप ताहिल जैसे स्टार्स भी शामिल थे। अब रश्मिका अपनी अपकमिंग फिल्म थामा में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं।

'मैं टैलेंट बेचने आई हूं, अपने आप को नहीं

बॉलीवुड में अक्सर ही कास्टिंग काउच के किस्से सामने आते रहते हैं। कई अभिनेत्रियों ने अपने खराब अनुभवों को साझा किया है। अब हाल ही में फिल्मों और टेलीविजन की अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन ने इंडस्ट्री को लेकर कुछ बड़े खुलासे किए हैं। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री में लोगों द्वारा काम के बदले दिए गए कास्टिंग काउच के ऑफर्स के बारे में भी खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि हिंदी इंडस्ट्री की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में उन्हें इस तरह के अनुभवों का ज्यादा सामना करना पड़ा।

एक से ज्यादा बार इंदिरा ने किया सामना

बॉलीवुड बबल से बातचीत के दौरान कास्टिंग काउच की घटनाओं का एक से ज्यादा बार सामना करने का खुलासा करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने ऐसा सिर्फ एक बार नहीं बल्कि कई बार महसूस किया है। खासकर मैं यह नहीं कहूँगी कि ऐसा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री या मुंबई में ज्यादा हुआ, बल्कि साउथ में हुआ। मुझे एक बड़े फिल्म निर्माता ने एक बहुत बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुना था। उस प्रोजेक्ट को लेकर हमारे बीच कुछ मतभेद थे। मैं उस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार थी, लेकिन आखिरी वक्त पर जैसा कि कई बार होता है, एक छोटी सी बात ने पूरे रिश्ते को बर्बाद कर दिया। बस एक लाइन, एक बयान, और सब कुछ खत्म।

अभिनेत्री ने साझा किया किस्सा

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मुझे याद है कि मैंने पहले सोचा कि अरे ये फिल्म भी मेरे हाथ से निकल गई। फिर घर पहुंचकर मैंने उसे एक मैसेज टाइप किया क्योंकि वो जिस तरह से बात कर रहा था, उसकी बॉडी लैंग्वेज और उसकी उम्मीदें सब काफी बढ़ गई थीं। इसके साथ ही दबाव भी बढ़ने लगा। मुझे लगा कि मैं इस स्थिति को संभाल नहीं पाऊंगी। मैंने सोचा कि अगर कल से शूटिंग शुरू हो गई और ये रिश्ता खराब हो गया तो क्या होगा? मैंने बहुत सम्मान से कहा कि मैं अपना टैलेंट बेचने आई हूं, अपने आप को नहीं। शायद मेरे शब्द थोड़े कठोर थे, लेकिन मुझे लगा कि आप जितने स्पष्ट होंगे, उतना ही बेहतर होगा। इससे आपको अपनी गति बनाए रखने, ऊर्जा बढ़ाने और आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

राजकुमार राव के वकील की दलील, धार्मिक भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं था

अभिनेता राजकुमार राव साल 2017 की फिल्म बहन होगी तेरी को लेकर एक कानूनी विवाद में घिरे हैं। सोमवार 28 जुलाई को आठ साल पुराने एक मामले में राजकुमार राव को पंजाब के जालंधर कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा। उन्हें सशर्त जमानत मिल गई है। मगर, इस केस में आज बुधवार 30 जुलाई को सुनवाई हुई है। इस दौरान खुद राजकुमार तो उपस्थित नहीं रहे, मगर उनके वकील ने इस मामले की जानकारी शेयर की है। साल 2017 में बहन होगी तेरी के प्रमोशन के दौरान एक विवादित पोस्टर को लेकर बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के खिलाफ अदालत में सुनवाई हुई। राजकुमार के वकील दर्शन सिंह दयाल ने बताया कि जालंधर में हुई सुनवाई में अभिनेता उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने राजकुमार राव के इस मामले की जानकारी साझा करते हुए आगे बताया कि 2017 में फिल्म में भगवान शिव के एक पोस्टर को लेकर लोगों के एक वर्ग में गुस्सा भड़क गया था। इस दौरान अभिनेता राजकुमार राव, श्रुति हासन, निर्माता-निर्देशक के खिलाफ केस दर्ज किया गया। दर्शन दयाल ने आगे बताया कि धारा 295 ए (धार्मिक भावनाओं को भड़काने के इरादे से किया गया कार्य), धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज की गई, जिसके कारण अभिनेता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किए गए। एक्टर ने इस मामले में 28 जुलाई को जालंधर की एक अदालत में सरेंडर किया। अदालत में पेश होने के बाद उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार : डॉली चावला

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है।

डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। डॉली ने कहा, वास्तविक जीवन में भी उम्र के अंतर वाली प्रेम कहानियां होती हैं। प्यार धीरे-धीरे बढ़ता है। अनु और आर्या की कहानी भी ऐसी ही है, जो धीरे-धीरे खुलती है। उम्र सिर्फ एक संख्या है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

नोरा फतेही और रेवैनी की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल, तेतेमा में होगा इंडो-अफ्रीकन फ्यूजन

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस नोरा फतेही एक बार फिर अपने फैंस के लिए कुछ खास लेकर आ रही हैं। इस बार उन्होंने तंजानिया के मशहूर सिंगर और सॉन्ग राइटर रेवैनी के साथ मिलकर एक धमाकेदार क्रॉस-कल्चरल ट्रैक तेतेमा तैयार किया है। इस गाने में आपको अफ्रीका और भारतीय संगीत दोनों का मिश्रण देखने को मिलेगा। वहीं, गाने में धमाकेदार बीट्स, डांस और इंटरनेशनल अंदाज होगा। बताया जा रहा है कि यह गाना अफ्रो-बोंगो म्यूजिक और कई भाषाओं और संस्कृतियों का मेल है। सूत्रों के मुताबिक, इस गाने का नाम ओ मामा तेतेमा हो सकता है, जो कि रेवैनी और डायमंड प्लैटिनम्ज के मशहूर गाने से प्रेरित है। यह गाना अफ्रीकन और इंडियन म्यूजिक का मिक्सअप है, जिसमें नोरा न केवल अपनी डांसिंग स्किल्स दिखाएंगी, बल्कि अपनी आवाज का भी जादू बिखेरेंगी।

छोरियां चली गांव के जरिए आज की पीढ़ी को दिखाना चाहता हूं देश की खूबसूरती: रणविजय सिंह

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए वह वर्तमान पीढ़ी, खासकर अपने बच्चों को भारत के सादे जीवन और गांवों की खूबसूरती से रूबरू कराना चाहते हैं। रणविजय के लिए यह शो बेहद खास है, क्योंकि उनकी बचपन की यादें पंजाब के गांव से जुड़ी हैं। रणविजय ने बताया, बचपन में मैं हर गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा-दादी के पास गांव जाता था। मुर्गे की आवाज के साथ सुबह उठना, खेतों में नंगे पांव दौड़ना, हैंडपंप से पानी निकालना, गाय के तबेले से दूध लाना और खेतों में मदद करना ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इन छोटी-छोटी चीजों को परिवार के सामने गर्व से दिखाना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा, आज की पीढ़ी को ऐसी जिंदगी का अनुभव नहीं मिलता।

हाउसफुल 5 में शूट से पहले चित्रांगदा थीं नर्वस, बोलीं- माहौल में ढलने के बाद मजा आने लगा

गैसलाइट, इनकार, हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी फिल्मों काम कर चुकी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने बताया कि वह कॉमेडी फिल्म हाउसफुल-5 में काम करने से पहले बहुत घबराई हुई थीं क्योंकि बाकी सभी एक्टर्स पहले से ही कॉमेडी के अंदाज में ढल चुके थे, और वह उस माहौल में ढलने की कोशिश कर रही थीं। अभिनेत्री ने बताया, मैं सच में शूटिंग शुरू होने से पहले घबराई हुई थी। लेकिन एक बार जब मैं उस माहौल में ढल गई, तो मैंने शूटिंग को खूब इंजॉय किया और बहुत मजा आया। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्हें कॉमेडी का तरीका समझ में आ गया, तो शूटिंग में बहुत मजे किए थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री ने कुछ स्टंट भी किए हैं। चित्रांगदा सिंह ने बताया कि हाउसफुल 5 की शूटिंग के दौरान कोई रिहर्सल नहीं हुई, बस सीधा सेट पर जाकर एक्टिंग शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा, मैं कभी शूटिंग में लड़ाई के सीन कर रही थीं। मुक्के मार रही थीं, लातें चला रही थीं, और कभी खुद गिर रही थीं। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिर से बच्ची बन गई हूं। गंभीर, रोमांटिक किरदार करने वाली चित्रांगदा के लिए माया जैसा मस्तीभरा और अजीबोगरीब किरदार निभाना कुछ नया था। लेकिन उन्हें यह अनुभव काफी अच्छा लगा। अभिनेत्री ने आगे कहा, सच कहूं तो ये बहुत मजेदार अनुभव था। अभिनय के दौरान मैंने खुद को आजाद कर दिया था और बस पागलपन को इंजॉय करने लगी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज और सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं। साजिद नाडियावाला के बैनर नाडियावाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

साभार एजेंसी